रविवार, 07 जनवरी 2024, ठाणे, मुंबई

दैनिक सिटी न्यूज़ मुंबई

सच का जोश

CITY NEWS MUMBAI

YouTube LIVE STREAM

वर्ष 13 • अंकः 136 CITY NEWS MUMBAI

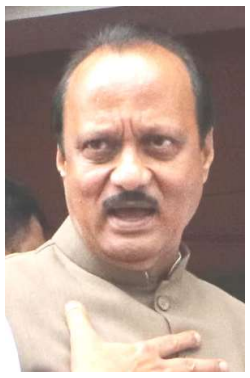

महाराष्ट्र में कोरोना को लेकर कैसे हैं हालात? डिप्टी CM बोले- कोविड-19 की स्थिति पर रख रहे नजर

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने शुक्रवार को कहा कि राज्य सरकार कोविड-19 की स्थिति पर नजर रखे हुए है तथा स्वास्थ्य विभाग को इस वायरस के प्रसार की रोकथाम के लिए जरूरी एहतियात बरतने को कहा गया है. यहां ससून जनरल अस्पताल के दौरे के दौरान संवाददाताओं से बाचतीत करते हुए पवार ने कहा कि वैसे तो कोरोना वायरस का जेएन.1 स्वरूप अधिक घातक नहीं है लेकिन लोगों को मास्क लगाने की सलाह दी गयी है. क्या बोले डिप्टी सीएम अजित पवार? उपमुख्यमंत्री ने कहा, ''स्वास्थ्य विभाग ने गुरूवार को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को (कोविड-19 की) स्थिति के बारे में बताया. हम रोजाना मामलों को लेकर रिपोर्ट हासिल कर रहे हैं. राज्य में सिविल सर्जन और स्वास्थ्य विभाग को एहतियाती उपाय करने के निर्देश दिये गये हैं ताकि पॉजिटिव मामले न बढ़ें.'' उन्होंने लोगों से भी कोविड शेष पृष्ठ 7 पर

शिवसेना में टूट पर CM एकनाथ शिंदे का बड़ा बयान, कहा-

'मैंने विद्रोह किया क्योंकि...

आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारियों में एकनाथ शिंदे की अगुवाई शिवसेना ने तैयारियां शुरू कर दी हैं. इसी क्रम में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने पुणे जिले के राजगुरुनगर से ₹शिव संकल्प रैली₹ की शुरुआत की है. इस मौके पर उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि जून 2022 में उन्होंने पार्टी को बचाने के लिए उद्धव ठाकरे के नेतृत्व के खिलाफ विद्रोह किया और शिवसेना को विभाजित कर दिया.

सीएम एकनाथ शिंदे ने शिवसेना में विभाजित करने के अपने फैसले का बचाव करते हुए कहा कि ₹मैंने पूरी ईमानदारी और पार्टी को बचाने के नियत से सख्त स्टैंड लिया और

मुख्यमंत्री बनने के लिए बीजेपी के साथ गठबंधन किया. शिवसेना के संस्थापक बाला साहेब ठाकरे का जिक्र करते हुए सीएम शिंदे ने कहा, ₹साल 1995 में बीजेपी के साथ शिवसेना ने गठबंधन किया और सत्ता में आई, तब बाला साहेब ठाकरे महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बन सकते थे, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया.₹ उन्होंने आगे कहा, ₹उन्होंने ऐसा नहीं किया, बाला ठाकरे अपनी जगह एक दूसरे पार्टी कार्यकर्ता (मनोहर जोशी) को मुख्यमंत्री बना दिया.

सीएम शिंदे का उद्धव ठाकरे पर तंज

इस दौरान सीएम एकनाथ शिंदे ने शिवसेना (यूबीटी) के अध्यशक्ष उद्धव ठाकरे पर तंज कसते हुए कहा कि किसी ने वादा किया था कि पार्टी की जीत पर एक शिवसेना के कार्यकर्ता को मुख्यमंत्री बनाऊंगा, इसके उलट वह खुद मुख्यंत्री बन गए. इस मौके पर उन्होंने निवेश के मोर्चे पर अपनी शेष पृष्ठ 7 पर

शरद पवार गुट के विधायक जितेंद्र आव्हाड के खिलाफ नवघर पुलिस स्टेशन में FIR दर्ज

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के शरद पवार गुट के विधायक जितेंद्र आव्हाड इन दिनों सुर्खियों में हैं। भगवान राम के खिलाफ विवादित बयान देने के कारण उनके खिलाफ महाराष्ट्र भर में तीन एफआईआर दर्ज हो गई हैं। आव्हाड के खिलाफ मुंबई और पालघर जिलों में तीन एफआईआर दर्ज हुई हैं। इससे पहले एक मामला ठाणे जिले के नवघर में दर्ज हुई थी। बता दें, उन्होंने हाल में ही भगवान राम को मांसाहारी बताया था, जिसके बाद से विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। क्या दिया था पूरा

बयान

शिरडी में बुधवार को एक कार्यक्रम में आव्हाड ने कहा था कि भगवान राम शाकाहारी नहीं थे, वह मांसाहारी थे। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति 14 साल तक जंगल में रहेगा वो शाकाहारी भोजन खोजने कहां जाएगा? उन्होंने जनता से सवाल करते हुए कहा था कि क्या यह सही बात है या नहीं? उन्होंने आगे कहा था, 'कोई कुछ भी कहे, सच्चाई यह है कि हमें आजादी (महात्मा) गांधी और (जवाहर लाल) नेहरू की वजह से ही मिली। यह तथ्य कि इतने बड़े स्वतंत्रता आंदोलन के नेता गांधी ओबीसी थे, उन्हें (आरएसएस को) स्वीकार्य नहीं है। गांधीजी की हत्या के पीछे का असली कारण जातिवाद था।'

बाद में बयान पर खेद जताया

हालांकि, एक दिन बाद उन्होंने सफाई देते हुए शेष पृष्ठ 7 पर

महादेव बेटिंग ऐप केस की मुंबई से पहली गिरफ्तारी

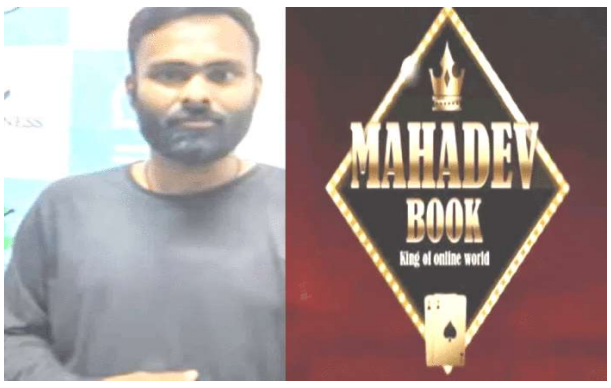

मुंबईः 15000 करोड केमहादेव बेटिंग ऐप मामले में छत्तीसगढ़ में ईडी ने पिछले कुछ महीनों में कई लोगों को गिरफ्तार किया है। अब मुंबई में इस केस में पहली गिरफ्तारी हुई है। मुंबई पुलिस की एसआईटी ने दीक्षित कोठारी नामक आरोपी को पकड़ा है। एसआईटी सूत्रों के मुताबिक, कोठारी प्रमुख शेष पृष्ठ 7 पर

शरद पवार, उद्धव ठाकरे, नाना पटोले, किसी के पास नहीं

महाराष्ट्र में सीट शेयरिंग फॉर्मूला, VBA ने बिगाड़ा काम

मुंबईः चुनावी वर्ष 2024 शुरू हो चुका है। ऐसे में देश के सभी राजनीतिक दल आगामी लोकसभा चुनाव में जीत हासिल करने के लिए रणनीतियां बना रहे हैं। विचार-मंथन जारी है और पार्टियां नारे गढ़ने में व्यस्त हैं। सभी राजनीतिक दल चाहे सत्तारूढ़ हों या विपक्ष में, केंद्र में हों या राज्य में, पूरी गंभीरता से कमर कस रहे हैं और हर कीमत पर जीत का लक्ष्य रख रहे हैं। महाराष्ट्र में भी यही स्थिति है, जहां शिवसेना-भारतीय जनता पार्टी-राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एपी) की सत्तारूढ़ महायुति और कांग्रेस-शिवसेना (यूबीटी)-राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) का विपक्षी महाविकास अघाड़ी (एमवीए) गठबंधन है, साथ ही उनके संबंधित छोटे सहयोगी/साझेदार, एक-दूसरे पर हमला करने और जीतने के लिए तैयार हैं।बीजेपी शासित उत्तर प्रदेश

(80 लोकसभा सीटों) के ठीक बाद महाराष्ट्र 48 सीटों के साथ दूसरे स्थान पर है। महाराष्ट्र राष्ट्रीय विपक्षी I.N.D.I.A. गठबंधन के लिए एक महत्वपूर्ण राज्य है।महाराष्ट्र का हालमई 1960 में अपनी स्थापना के बाद कांग्रेस ने लगभग 50 वर्षों तक राज्य पर शासन किया है। गैर-कांग्रेस गठबंधनों ने 1995-1999, 2014-2019 तक तीन बार शासन किया है। अब एमवीए के पतन के बाद जून 2022 से बीजेपी गठबंधन शासन कर रहा है।सीनियर्स का ऑल इज वेल दावाहालांकि, शरद पवार, उद्धव ठाकरे, नाना पटोले जैसे एमवीए के शीर्ष नेताओं के 'ऑल इज़ वेल' के साहसी दावे किए हैं। इसके बावजूद, तीनों दलों ने अभी तक लगभग 'इंडिया' गठबंधन की तरह अपने प्रस्तावित 'सीट-बंटवारे' फॉर्मूले की घोषणा नहीं की है।कौन कितनी सीटों शेष पृष्ठ 7 पर

7 जनवरी यौमे-ए-वफात पर विशेष।

स्वतंत्रता सेनानी मुहम्मद यूनुस लोहिया

मुहम्मद यूनुस लोहिया, जो बहुत कम उम्र में ही मातृभूमि की आज़ादी के लिए संघर्ष की ओर आकर्षित हो गए थे, उनका जन्म 1925 में जमुआवं गाँव में हुआ था, जो बिहार राज्य के नालंदा जिले के इस्लामपुरा पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में आता है। उनकी शिक्षा ₹मदरसा इस्लामिया शमशुल हुदा₹ पटना, बिहार में हुई। जबकि उनके माता-पिता ने उनका नाम मुहम्मद यूनुस रखा था, उन्होंने घोषणा की कि जब उन्होंने ब्रिटिश शासन से अपनी मातृभूमि की आजादी के लिए लड़ने का फैसला किया तो उन्होंने इसे बदलकर मुहम्मद यूनुस आजाद रख लिया। उन्होंने 1941 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की सदस्यता ली। 1942 में उन्होंने मदरसा इस्लामिया शमशुल हुदा के छात्रों के साथ भारत छोड़ो आंदोलन में भाग लिया।

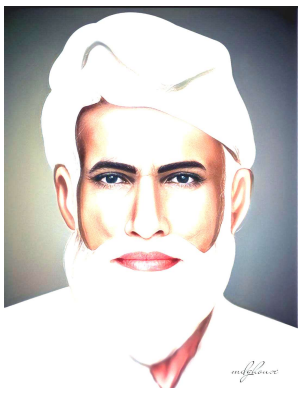

ब्रिटिश सरकार ने उन्हें आंदोलन में भाग लेने के लिए 14 महीने की कैद की सजा सुनाई। अपने सह-छात्रों के साथ। इतनी कम उम्र में इतने लंबे कारावास से निडर होकर, उन्होंने राष्ट्रीय आंदोलन की गतिविधियों में भाग लेना जारी रखा। 1945 में उन्हें उस समय गिरफ्तार कर लिया गया, जब उन्होंने 1919 के जलियांवाला बाग नरसंहार की याद में लाहौर शहर में आयोजित बैठक में अपने दोस्तों के साथ भाग लिया।1947 में आजादी के बाद, उन्होंने स्वतंत्रता सेनानियों के लिए सरकार द्वारा प्रदान किए गए विशेषाधिकारों को स्वीकार करने से इनकार कर दिया। 1951 में उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस छोड़ दी क्योंकि वह प्रसिद्ध समाजवादी राम मनोहर लोहिया (1910-1967) के विचारों से आकर्षित थे।) बाद में वह प्रजा सोशलिस्ट पार्टी में शामिल हो गए, जिसे 1952 में जया प्रकाश नारायण, आचार्य नरेंद्र और जे.बी. कृपलानी जैसे नेताओं के नेतृत्व में लॉन्च किया गया था। 1967 में राम मनोहर लोहिया के निधन के बाद, मुहम्मद यूनुस आज़ाद ने अपना नाम बदलकर मुहम्मद यूनुस लोहिया रख लिया और यूनुस लोहिया के रूप में प्रसिद्ध हो गए, जिन्होंने खुद को एक सार्वजनिक सेवक घोषित किया और लोगों की समस्याओं को हल करने के लिए अधिक प्रयास किए।2002 में वह राष्ट्रीय जनता दल सुप्रीमो, लालू प्रसाद यादव, के आग्रह पर मुहम्मद यूनिस लोहिया बिहार विधान परिषद के सदस्य बने, जिन्होंने उच्च पदों का आनंद लेने या महान नेताओं के साथ अपने संबंधों के बावजूद एक साधारण जीवन व्यतीत किया और जो हमेशा लोगों के लिए सुलभ और अपने जीवन के अंत तक हर सुख-दुख में उनके साथ रहे, 7 जनवरी 2019 को फुलवारी शरीफ में उनका निधन हो गया।(संदर्भः द इम्मोर्टल्स-2, सैयद नसीर अहमद द्वारा, 9440241727)संकलन हसरत अलीशेरपुर जिला मुजफ्फरनगर उत्तर प्रदेशफ़ोन नंबर 8580533689

'इससे बेहतर जेल में मौत, अब जीवन की कोई उम्मीद नहीं'; नरेश गोयल हाथ जोड़कर अदालत में गिड़गिड़ाए

जेट एयरवेज के संस्थापक नरेश गोयल के साथ कभी बिजनेस टायकून जैसा तमगा जुड़ता था। हालांकि, अब 538 करोड़ की धोखाधड़ी मामले में गोयल पर कानून का शिकंजा कसता जा रहा है। केनरा बैंक के साथ आर्थिक धोखाधड़ी का मामला मुंबई की विशेष अदालत में है। शनिवार को इस मामले में गोयल अदालत में पेश हुए। रिपोर्ट के मुताबिक गोयल हाथ जोड़कर अदालत में गिड़गिड़ाते दिखे। उन्होंने कोर्ट से कहा, 'वे जिंदा रहने की उम्मीदें खो चुके हैं। मौजूदा हालात से बेहतर होगा, अगर जेल में ही उनकी मौत हो जाए।'खबरों के मुताबिक 70 साल से अधिक आयु के नरेश गोयल ने विशेष न्यायाधीश एमजी देशपांडे की अदालत में जमानत याचिका दाखिल की। उन्होंने जब अदालत में 'जेल में ही मौत बेहतर...' जैसी भावुक बात कही तो उनकी आंखों में आंसू थे। गोयल ने अपनी खराब सेहत का भी हवाला दिया और अदालत के समक्ष गुहार लगाते समय उनका पूरा शरीर कांप रहा था। उन्होंने अदालत में कहा कि लास्ट स्टेज कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी से जूझ रहीं उनकी पत्नी की याद आती है। नरेश गोयल ने अदालत को बताया कि उनकी इकलौती बेटी भी बीमार रहती है। जेल के स्टाफ अपनी सीमाओं में मदद करते हैं, लेकिन यह नाकाफी है। बता दें कि गोयल मुंबई की आर्थर रोड जेल में बंद हैं। उन्हें कथित बैंक धोखाधड़ी मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने एक सितंबर, 2023 को गिरफ्तार किया था। समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक अदालत की दैनिक कार्यवाह में जज की टिप्पणी भी नोट की गई है। जज देशपांडे ने कहा, उन्होंने गोयल की बातें पूरे धैर्य के साथ सुनी। याचिकाकर्ता का पूरा शरीर कांप रहा था। खड़ा रहने के लिए भी सहारा लेने की जरूरत पड़ती है। गोयल ने अदालत में अपनी सेहत के बारे में बताया कि उनके घुटने में सूजन और दर्द है। पैर मुड़ना बंद हो चुका है। पेशाब के समय असहनीय पीड़ा होती है। कई बार पेशाब के साथ खून भी निकलता है, लेकिन अधिकांश मौकों पर उन्हें मेडिकल सहायता नहीं मिलती। उन्होंने कहा कि जेजे हॉस्पिटल रेफर करने से भी उसे खास राहत नहीं मिल रही। अन्य कैदियों के साथ आर्थर रोड से अस्पताल तक जाने में असहनीय दर्द से जूझना पड़ता है। हमेशा लंबी कतार लगी होती है। समय से डॉक्टर के पास नहीं पहुंच पाते। उन्होंने विशेष अदालत के न्यायाधीशश से अस्पताल भेजे जाने के बजाय जेल में ही मरने की अनुमति मांगी। गोयल की दलीलों को सुनने के बाद अदालत ने उन्हें आश्वासन दिया कि उचित इलाज कराने के साथ-साथ उनकी हर संभव देखभाल की जाएगी। असहाय न छोड़े जाने का भरोसा दिलाते हुए विशेष अदालत ने उनके वकीलों को जरूरी कदम उठाने के निर्देश भी दिए। गौरतलब है कि पिछले महीने दायर जमानत याचिका में गोयल ने प्रोस्टेट, हृदय रोग और हड्डियों से जुड़ी बीमारियों का जिक्र किया था। उन्होंने दलीलों में कहा है कि वह इस मामले में दोषी नहीं हैं, अदालत के ऐसा मानने के लिए पर्याप्त आधार हैं। बता दें कि गोयल और उनकी पत्नी के अलावा अब बंद हो चुकी एयरलाइंस- जेट एयरवेज के कई पूर्व अधिकारियों के खिलाफ सीबीआई ने प्राथमिकी दर्ज की थी। इसके बाद ईडी ने पीएमएलए कानून के तहत मामला दर्ज किया। केनरा बैंक की शिकायत पर दर्ज एफआईआर के मुताबिक कुल 848.86 करोड़ रुपये का कर्ज दिया गया, जिसमें 538.62 करोड़ रुपये बकाया है। मेरठ के अभिषेक नेहरा ने कहा कि वह कृषकों का समूह बनाकर पराली प्रबंधन, हार्वेस्टिंग और जुताई पर कार्य कर रहे हैं। उन्हें फॉर्म मशीनरी में 80 प्रतिशत सब्सिडी प्राप्त हुई है। इससे

हेमकुंड साहिब बना बर्फविहीन, जमा सरोवर...जनवरी महीने में रहती थी कई फीट तक बर्फ जमीं

जनवरी महीने में जहां हेमकुंड साहिब में कई फीट तक बर्फ जमी रहती थी, लेकिन इस साल हेमकुंड साहिब के साथ ही आसपास की सभी चोटियां बर्फविहीन बनी हुई हैं। वहीं कड़ाके की ठंड के चलते पवित्र सरोवर पूरी तरह से जम चुका है। हेमकुंड साहिब के कपाट बंद होने के बाद गुरुद्वारे के सेवादार निरीक्षण करने के लिए हेमकुंड साहिब पहुंचे। शनिवार को दल निरीक्षण के बाद गोविंदघाट लौट आया है। हेमकुंड साहिब गुरुद्वारा के वरिष्ठ प्रबंधक सरदार सेवा सिंह ने बताया कि जनवरी महीने में इस समय हेमकुंड साहिब में करीब आधा फीट ही बर्फ है जबकि इस समय पूरा हेमकुंड साहिब बर्फ से ढका रहता था। आसपास की चोटियों में भी दूर-दूर तक बर्फ नजर नहीं आ रही है। ठंड अधिक होने से सरोवर पूरा जमा चुका है। जमीयत ने 'राम जन्मभूमि बाबरी मस्जिद भूमि विवाद' मुकदमे पर 2019 में पारित सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ के ऐतिहासिक फैसले से असहमति को भी रेखांकित किया। संगठन ने कहा कि जमीयत सरकार से अपील करती है।

'सरकार की सक्रिय भागीदारी चिंताजनक'; नीतियों पर महमूद मदनी गुट के जमीयत ने कही यह बात

एक तरफ पूरा देश और भगवान राम पर आस्था रखने वाले श्रद्धालु 22 जनवरी को होने वाली प्राण प्रतिष्ठा की तैयारियों में जुटे हैं तो दूसरी तरफ जमीयत उलेमा-ए-हिंद की तरफ से चौंकाने वाला बयान सामने आया है। शनिवार को जारी एक बयान में महमूद मदनी गुट के जमीयत ने कहा, राम मंदिर से जुड़े कार्यक्रमों में सरकार की सक्रिय भागीदारी चिंताजनक है। जमीयत ने केंद्र सरकार के पक्षपात से भरी नीतियों को न अपनाने की गुहार भी लगाई। राजधानी दिल्ली में राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक के बाद जमीयत की तरफ से बयान जारी किया गया। इसके मुताबिक बैठक में देश में पूजा स्थल कानून, 1991 को लागू करने पर बात हुई। इसके अलावा राम मंदिर से जुड़ी घटनाओं और पश्चिम एशिया में लगभग तीन महीने से जारी इस्राइल हमास संघर्ष पर भी चर्चा की गई। राम मंदिर के संबंध में सर्वसम्मति से पारित प्रस्ताव में कहा गया कि अल्पसंख्यक समुदाय को डराने और परेशान करने के प्रयास चिंताजनक हैं। जमीयत ने कहा कि चिंताओं के बारे में सरकार के साथ-साथ देश-प्रदेश की कानूनी एजेंसियों को जानकारी देना जरूरी है। संगठन ने कहा कि समारोह में सरकार की सक्रिय भागीदारी आगामी लोकसभा चुनाव को प्रभावित कर सकती है। जमीयत ने 'राम जन्मभूमि बाबरी मस्जिद भूमि विवाद' मुकदमे पर 2019 में पारित सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ के ऐतिहासिक फैसले से असहमति को भी रेखांकित किया। संगठन ने कहा कि जमीयत सरकार से अपील करती है कि पक्षपातपूर्ण नीतियां अपनाने से बचें। बैठक में पारित प्रस्ताव में देश के मौजूदा हालात को जमीयत ने चुनौतीपूर्ण करार दिया। संगठन के प्रस्ताव के मुताबिक 'वह देश के नागरिकों से संयम और कानून-व्यवस्था बरकरार रखने की अपील करता है। उकसाने की कोशिशों के बावजूद मुस्लिम पक्ष को निराश न होकर धैर्य बनाए रखना चाहिए।' समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक संगठन के प्रमुख महमूद मदनी ने देश की मस्जिदों की सुरक्षा को संगठन का प्रमुख उद्देश्य करार दिया।

'राम मंदिर उद्घाटन के दौरान यात्रा न करें, मुस्लिमों की दुश्मन है भाजपा', बदरुद्दीन अजमल के बिगड़े बोल

ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) के प्रमुख बदरुद्दीन अजमल ने असम में मुसलमानों से उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन के अवसर पर 20 से 25 जनवरी के बीच यात्रा से बचने का आग्रह किया है। अजमल ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को मुसलमानों का सबसे बड़ा दुश्मन करार दिया और मुसलमानों को कार्यक्रम के दौरान ट्रेन, बस या कार सहित किसी भी यात्रा योजना से बचने की सलाह दी। सांसद बदरुद्दीन अजमल ने कहा, 'हमें सतर्क रहना होगा। मुसलमानों को 20 जनवरी से 25 जनवरी तक ट्रेन से यात्रा नहीं करनी चाहिए। राम जन्मभूमि में राम मूर्ति रखी जाएगी, पूरी दुनिया इसकी गवाह बनेगी। लाखों लोग आएंगे। भाजपा की योजना बड़ी है। इस अवधि के दौरान, हमें ट्रेन से यात्रा नहीं करनी चाहिए और घर पर रहना चाहिए। भाजपा मुसलमानों की सबसे बड़ी दुश्मन है। भाजपा हमारी जान, हमारी आस्था, हमारी अजान की दुश्मन है।' उन्होंने दोहराया कि मुसलमानों को भारत में लंबे समय से कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है। अजमल ने कांग्रेस पार्टी की भी आलोचना की और दावा किया कि उन्होंने राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) और डी-वोटर सत्यापन की पहल की। उन्होंने यह भी दावा किया कि वोट देने के बाद कांग्रेस द्वारा दिए गए लॉलीपॉप को मुसलमान भूल गए।

दैनिक सिटी न्यूज मुंबई
रविवार, 07 जनवरी 2024, ठाणे, मुंबई

पूर्व राष्ट्रपति कोविद की अध्यक्षता में बनाई गई है समिति

एक देश, एक चुनाव समिति ने लोगों से मांगे सुझाव

देश में लोकसभा व विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने के लिए गठित पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविद की अगुवाई वाली एक देश,एक चुनाव,समिति ने इस मामले में लोगो से सुझाव मांगे हैं। समिति ने इसके लिए सार्वजनिक सूचना जारी कर 15 जनवरी तक लोगों को अपनी राय देने के लिए कहा है। समिति ने कहा है कि देश मे एक साथ चुनाव कराने के लिए मौजूदा ढांचे में उचित बदलाव करने के लिए आम जनता से लिखित रूप से सुझाव आमंत्रित किए जाते हैं। आम लोगों से मिले सुझाव को विचार के लिए समिति के सामने रखा जाएगा। इसके लिए एक वेबसाइट वे ईमेल पता जारी कर दिया गया है। इससे पहले हाल ही में समिति ने राजनीतिक दलों को पत्र लिखकर एक साथ चुनाव कराने के मुद्दे पर राय जानने के लिए बुलाया था। ये पत्र 6 राष्ट्रीय दलों व 33 राज्य स्तरीय दलों और 7 पंजीकृत गैर मान्यताप्राप्त दलों को भेजे गए

■ 15 जनवरी तक दे सकेंगे राय, सार्वजनिक सूचना जारी की गई

थे। बाद में सभी दलों को रिमाइंडर भी भेजा गया था।

समिति ने विधि आयोग से भी राय ली

समिति ने एक साथ चुनाव कराने के लिए विधि आयोग से भी राय ली है। इस मामले में दोबारा भी लॉ पैनल को बुलाया जा सकता है। समिति का उद्देश्य संविधान के तहत मौजूदा ढांचे को ध्यान में रखते हुए,लोकसभा, राज्यों की विधानसभा,नगर पालिका और पंचायतों के लिए एक साथ चुनाव कराने के लिए जांच करना और सिफारिशें करना है।मालूम हो कि यह समिति पिछले साल सितम्बर में गठित हुई थी। इसके बाद इसकी दौ बैठकें हो चुकी हैं।

क्या है एक देश एक चुनाव

भारत में फिलहाल राज्यों के विधानसभा और देश के लोकसभा चुनाव अलग-अलग समय पर होते हैं। एक देश एक चुनाव का मतलब है कि पूरे देश में एक साथ ही लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव हों। आजादी के बाद 1952, 1957, 1962 और 1967 में लोकसभा और विधानसभा के चुनाव एक साथ ही होते थे, लेकिन 1968 और 1969 में कई विधानसभाएं समय से पहले ही भंग कर दी गईं। उसके बाद 1970 में लोकसभा भी भंग कर दी गई। इस वजह से एक देश-एक चुनाव की परंपरा टूट गई।

उत्तर भारत में शीतलहर का कहर, पहाड़ से लेकर मैदान तक पारा गिरा

उत्तर भारत में शीतलहर का कहर जारी है।जम्मू-कश्मीर, पश्चिमी राजस्थान, हरियाणा, चंडीगढ़, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पंजाब, पूर्वी मध्य प्रदेश, उत्तराखंड और पूर्वोत्तर के त्रिपुरा तक में कहीं घना तो कहीं अत्यधिक घना कोहरा देखा गया। इसका असर सड़क, हवाई और रेल यातायात पर पड़ा। घने कोहरे के कारण पंजाब में सड़क दुर्घटना में तीन लोगों की जान चली गई। मेरठ समेत विभिन्न शहरों में गलन वाली ठंड से बचने के लिए लोग अलावा का सहारा लेते देखे गए। पहाड़ से लेकर मैदानी क्षेत्रों तक में पारा और लुढ़का और दिल्ली में 8.9 तो श्रीनगर में माइनस 5.4 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और राजस्थान में अगले दो दिन कड़ाके की ठंड की संभावना जताई है।

उपलब्धि *अंतरिक्ष में भारत की एक और कामयाबी*

सूर्य मिशन आदित्य-एल1 लैग्रेंज पॉइंट पर पहुंचा

अंतरिक्ष में भारत ने एक और कामयाबी हासिल की है। सूर्य मिशन पर निकले भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के आदित्य एल-1 ने अपनी मंजिल लैग्रेंज प्वाइंट-1 (एल1) पर पहुंच कर एक कीर्तिमान हासिल किया है। इसी के साथ आदित्य-एल 1 अंतिम कक्षा में भी स्थापित हो गया। यहां आदित्य दो वर्षों तक सूर्य का अध्ययन करेगा और महत्वपूर्ण आंकड़े जुटाएगा।

भारत के इस पहले सूर्य अध्ययन अभियान को इसरो ने 2 सितंबर को लॉन्च किया था। एल-1 प्वाइंट के आसपास के क्षेत्र को हेलो ऑर्बिट के रूप में जाना जाता है, जो सूर्य-पृथ्वी प्रणाली के बीच मौजूद पांच स्थानों में से एक है, जहां दोनों पिंडों का गुरुत्वाकर्षण प्रभाव के बीच साम्यता है। मोटे तौर पर ये वे स्थान हैं, जहां दोनों पिंडों की गुरुत्व शक्ति एक दूसरे के प्रति संतुलन बनाती है। पृथ्वी और सूर्य के बीच इन पांच स्थानों पर स्थिरता मिलती है, जिससे यहां

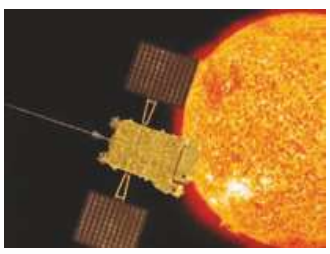

यह हमारे लिए काफी संतोषजनक है। लॉन्चिंग के 126 दिन बाद यह अपने आखिरी बिंदु पर पहुंच गया है। हम इसको लेकर पूरी तरह आश्वस्त थे। एस सोमनाथ, अध्यक्ष, इसरो

मौजूद वस्तु सूर्य या पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण में नहीं फंसती है। एल-1 बिंदु पृथ्वी से लगभग 15 लाख किलोमीटर दूर है। यह पृथ्वी और सूर्य के बीच की कुल दूरी का केवल 1 फीसदी है।

- दो वर्षों तक सूर्य का अध्ययन करेगा व आंकड़े जुटाएगा
- सूर्य अध्ययन अभियान को 2 सितंबर को लॉन्च किया था
- एल-1 बिंदु पृथ्वी से लगभग 15 लाख किलोमीटर है दूर

दोनों पिंडों की कुल दूरी 14.96 करोड़ किलोमीटर है। इसरो के एक वैज्ञानिक के अनुसार हेलो ऑर्बिट सूर्य के चारों ओर पृथ्वी के घूमने के साथ-साथ घूमेगा। इसरो के इस अभियान को पूरी दुनिया में उत्सुकता से देखा जा रहा है, क्योंकि इसके सात पेलोड सौर घटनाओं का व्यापक अध्ययन करेंगे और वैश्विक वैज्ञानिक समुदाय को डाटा मुहैया कराएंगे, जिससे सभी सूर्य के विकिरण, कणों और चुंबकीय क्षेत्रों का अध्ययन कर पाएंगे।

वार्नर ने अपनी आखिरी पारी में जमाया अर्धशतक

● ऑस्ट्रेलिया ने पाक का सूपड़ा साफ किया

डेविड वार्नर नेअपने घरेलू मैदान पर 57 रन बनाकर 112 टेस्ट मैच के अपने करियर का अंत किया, जबकि आस्ट्रेलिया ने शनिवार को यहां तीसरे और अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच में पाकिस्तान को आठ विकेट से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला में क्लीन स्वीप करके इस दिग्गज सलामी बल्लेबाज को शानदार विदाई दी। ऑस्ट्रेलिया जब लक्ष्य से केवल 11 रन दूर था तब वार्नर को साजिद खान ने पगबाधा आउट किया। जब वह सिडनी क्रिकेट ग्राउंड से पवेलियन की तरफ बढ़ रहे थे तब दर्शकों ने खड़े होकर उनका अभिवादन किया। ऑस्ट्रेलिया की पारी में वह आउट होने वाले दूसरे

बल्लेबाज थे। साजिद ने इससे पहले सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा को भी पगबाधा आउट किया था। ख्वाजा खाता भी नहीं खोल पाए। ऑस्ट्रेलिया के सामने 130 रन का लक्ष्य था जो उसने दो विकेट खोकर हासिल कर दिया। वार्नर के अलावा मार्नस लाबुशेन (नाबाद 62) ने भी अर्धशतक जमाया जबकि स्टीव स्मिथ चार रन बनाकर नाबाद रहे। पाकिस्तान ने अपनी पहली पारी में 313 रन का अच्छा स्कोर खड़ा किया था जिसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 299 बनाए। पाकिस्तान की टीम दूसरी पारी में 115 रन पर आउट हो गई थी। पाकिस्तान ने सुबह अपनी दूसरी पारी सात विकेट पर 68 रन से आगे बढ़ाई। मैच के तीसरे दिन जोश हेजलवुड (16 रन देकर 4 विकेट) ने पाकिस्तान की बल्लेबाजी को झकझोरा था। मैच के चौथे दिन मोहम्मद रिजवान (28) और आमिर जमाल (18) ने आठवें विकेट के लिए 42 रन जोड़कर कुछ देर संघर्ष किया। नाथन लियोन ने रिजवान को लेग स्लिप में कैच आउट कराकर यह साझेदारी तोड़ी, इसके बाद पाकिस्तान की पारी सिमटने में देर नहीं लगी। लियोन ने हसन अली का विकेट लेकर पाकिस्तान की पारी का अंत किया। लियोन ने 36 रन देकर 3 विकेट लिए। ऑस्ट्रेलिया की टीम ने इससे पहले वॉर्नर की अगुवाई में मैदान पर कदम रखा था।

ऑलराउंड प्रदर्शन जारी रखकर टी20 श्रृंखला जीतने उतरेगी भारतीय महिला टीम

पहले मैच में बड़ी जीत से उत्साह से ओतप्रोत भारतीय महिला टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में अपना ऑलराउंड प्रदर्शन जारी रखकर तीन मैचों की श्रृंखला में अजेय बढ़त हासिल करने की कोशिश करेगी। एक दिवसीय श्रृंखला में तीनों मैच गंवाने के बाद भारतीय महिला टीम ने पहले टी20 मैच में खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन करके ऑस्ट्रेलिया को नौ विकेट से करारी शिकस्त दी थी जो इस प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ उसकी सबसे बड़ी जीत है। भारतीय टीम ने इस मैच में न सिर्फ क्षेत्ररक्षण में चुस्ती दिखाई बल्कि उसके गेंदबाजों ने भी ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों को खुलकर नहीं खेलने दिया। भारत के सामने 142 रन का लक्ष्य था जो उसने शेफाली वर्मा (नाबाद 64) और स्मृति मंधाना (54) के बीच पहले विकेट के लिए 137 रन की साझेदारी के दम पर आसानी से हासिल कर दिया। भारतीय गेंदबाजों ने इस मैच में शानदार प्रदर्शन किया। युवा गेंदबाज टिटास साधु ने चार ओवर में 17 रन देकर चार विकेट लिए। इनमें से तीन विकेट उन्होंने पावरप्ले में लिए थे। स्पिनर दीप्ति शर्मा और श्रेयंका पाटिल ने दो-दो विकेट लेकर उनका अच्छा साथ दिया था। टिटास ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, प्रत्एक मैच और अच्छा प्रदर्शन कई घंटे की कड़ी मेहनत का परिणाम होता है।

सम्पादकीय

कांग्रेस की एक और यात्रा

कांग्रेस लोकसभा चुनाव से पहले पार्टी के लिए माहौल बनाने की कोशिश में जुटी है। बीजेपी जहां अयोध्या राममंदिर पर जोर दे रही है, तो कांग्रेस राहुल गांधी के नेतृत्व में भारत जोड़ो न्याय यात्रा की तैयारी करने की तैयारी में है। इस चुनावी साल में देश का माहौल अपने अनुकूल बनाने की कोशिश के तौर पर जहां सत्तारूढ़ बीजेपी अयोध्या में राममंदिर से जुड़ी गतिविधियों पर अधिक से अधिक जोर दे रही है, वहीं प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस ने राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा का एलान कर दिया है। अगली कड़ी : पिछले साल की भारत जोड़ो यात्रा की कामयाबी से प्रेरित कांग्रेस इस यात्रा को थोड़ा अलग रखते हुए भी चाहती है कि लोग इसे उसी यात्रा की अगली कड़ी के रूप में देखें। इसलिए भले ही लोकसभा चुनावों के मद्देनजर वक्त की कमी का हवाला देते हुए इसे हाइब्रिड मोड में रखा गया है, यानी यात्रा का बड़ा हिस्सा बस में तय होगा और बीच-बीच में पैदल मार्च भी किया जाएगा, लेकिन भारत न्याय यात्रा नाम घोषित कर देने के बाद उसे बदलकर भारत जोड़ो न्याय यात्रा किया गया तो इसके पीछे मकसद यही है कि भारत जोड़ो का संदर्भ कमजोर न पड़ जाए।

कांग्रेस की सोच : यात्रा की शुरुआत हिंसा पीड़ित मणिपुर से करना अपने आप में एक बड़ा संदेश है जो कांग्रेस अधिक से अधिक प्रचारित करना चाहेगी। इसके साथ ही यात्रा के केंद्र में न्याय को रखना बताता है कि कांग्रेस इसके जरिए न सिर्फ संवैधानिक मूल्यों पर जोर देना चाहती है बल्कि यह दिखाना चाहती है कि सत्तारूढ़ पक्ष एक धर्म, एक पंथ, एक संस्कृति और एक नेता पर जोर देते हुए भारत की उस मूल दृष्टि को नुकसान पहुंचा रहा है, जो सबके साथ न्याय और सबके साथ उदारता की बदौलत भारत की बहुलता की रक्षा करती रही है।

सहयोगियों को न्योता : भारत जोड़ो यात्रा के दौरान तालमेल में कमी के चलते कई जगह क्षेत्रीय विपक्षी पार्टियों के नेता उससे दूरी बरतते देखे गए थे। इस बार कांग्रेस ने पहले से ही साफ कर दिया है कि INDIA गठबंधन के सभी घटक दलों को इसमें शामिल होने के लिए आमंत्रित किया जा रहा है। इसकी शुरुआत के समय ही सभी विपक्षी दलों के मुख्यमंत्रियों की मौजूदगी सुनिश्चित करने के प्रयास हो रहे हैं।

चुनाव है कसौटी : जहां तक इस यात्रा के प्रभावों का सवाल है तो निश्चित रूप से मौजूदा माहौल में इसकी सबसे बड़ी कसौटी आगामी लोकसभा चुनाव को ही माना जाएगा। पिछली भारत जोड़ो यात्रा के अनुभव से देखें तो उसने राहुल गांधी के पक्ष में थोडा माहौल बनाया, उन्हें एक गंभीर नेता की छवि भी दी, लेकिन चुनावी कसौटियों पर उसका असर मिला-जुला ही रहा। चुनाव में वैसे भी बहुत से कारक होते हैं। यह दूसरी यात्रा अगर कांग्रेस और विपक्षी दलों के पक्ष में माहौल बनाती है तो निश्चित रूप से उनके लिए यह एक अच्छी बात होगी, लेकिन चुनावों में इसका वे कितना फायदा उठा पाते हैं, यह उनकी तैयारी के दूसरे पक्षों पर निर्भर करेगा।

भारत का टाइम आने वाला है, हिंदुस्तान अब दो कदम आगे बढ़कर नेतृत्व करेगा

नए साल में हम एक ऐसी विश्व व्यवस्था देख रहे हैं जिसे राजनीतिक, आर्थिक और कूटनीतिक तौर पर पुनर्गठित किया गया है। पिछले कुछ वर्षों से जो रुझान सतह के नीचे थे, वे अपनी पूरी जटिलता के साथ खुलकर सामने आ गए हैं। इनसे उपजी चुनौतियों से निपटना मौजूदा ढांचे और संस्थानों के लिए मुश्किल होता जा रहा है। दरअसल अंतरराष्ट्रीय संबंधों के केंद्र में एक बौद्धिक शून्य है जिसे एक शब्द के बार-बार इस्तेमाल से भरा जा रहा है। वह है- 'डिसरप्शन'। जिस चीज को भी दुनिया समझ नहीं पाती या स्वीकार नहीं कर पाती, उसे डिसरप्शन करार दिया जाता है।

मूलभूत बदलाव

सच यह है कि दुनिया बदलते शक्ति संतुलन, असाधारण तकनीकी प्रगति और संस्थानों की गिरावट के कारण आ रहे मूलभूत बदलावों से जूझ रही है। यह प्रक्रिया कोविड-19 महामारी, यूरेशिया तथा मध्य पूर्व में युद्धों के कारण और तेज हो गई है। इससे महंगाई का दबाव, भोजन और ऊर्जा का संकट तथा व्यापक आर्थिक मंदी के हालात दिख रहे हैं। तमाम देश अपने नागरिकों की बुनियादी जरूरतें पूरी करने के लिए बेतहाशा खर्च कर रहे हैं और हम सतत विकास लक्ष्यों (SDG) से दूर खड़े हैं।

हिंद-प्रशांत में चुनौतियां

वैश्विक प्रतिस्पर्धा के केंद्रीय क्षेत्र हिंद-प्रशांत में भारत के सामने भी कई चुनौतियां आ खड़ी हुई हैं। इनमें बड़ी शक्तियों की आपसी प्रतिद्वंद्विता, संघर्ष, आर्थिक संकट, डी-ग्लोबलाइजेशन और जलवायु परिवर्तन से जुड़ी घटनाएं शामिल हैं। हालांकि, इनमें से हर चुनौती भारत के लिए अवसर भी है। इन चुनौतियों से सही ढंग से निपटते हुए और अवसरों का उचित इस्तेमाल करके भारत विश्व व्यवस्था में अपनी हैसियत बढ़ाकर कई तरह के अहम सामरिक लाभ हासिल कर सकता है।

जी-20 की मेजबानी

पिछले साल की बात करें तो भारत ने आत्मविश्वास के साथ वैश्विक नेतृत्व की भूमिका निभाई। जी-20 की अध्यक्षता ने नई दिल्ली को कोविड-19 महामारी के साये से उबरती दुनिया में वैश्विक सहयोग के अजेंडे को आकार देने का मौका दिया। जी-20 मंच इस मायने में खास है कि यह विकसित और विकासशील देशों को एक साथ लाकर उन्हें ग्लोबल गवर्नेंस की राह में आ रही चुनौतियों पर चर्चा करने और उनके हल तलाशने का मौका देता है। नई दिल्ली ने ग्लोबल साउथ की आकांक्षाओं को आवाज देने के लिए इसका बेहतरीन इस्तेमाल किया। वह भी ऐसे समय में जब कई बड़ी ताकतें अपनी घरेलू समस्याओं से इस कदर घिरी हैं कि उनके पास कमजोर देशों की मदद करने के लिए न तो समय है और न संसाधन। भारी अशांति और उथल पुथल के इस दौर में महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय जमावड़े की मेजबानी करते हुए तमाम ग्लोबल स्टेकहोल्डर्स के बीच आम सहमति बनाकर नई दिल्ली ने बड़ा सोचने और बड़े नतीजे देने की अपनी तैयारी का संकेत दिया, जिसकी दुनिया लंबे समय से भारत से उम्मीद कर रही थी।

ग्लोबल गवर्नेंस की जिम्मेदारी

यह न केवल प्रमुख वैश्विक गठबंधनों और बहुपक्षीय गठबंधनों में भाग लेकर, बल्कि नए गठबंधन बनाते हुए बड़ी वैश्विक भूमिका निभाने, और इस तरह जलवायु परिवर्तन, टिकाऊ विकास, वैश्विक स्वास्थ्य और शांति सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करने की भारत की इच्छा के अनुरूप है। एक जिम्मेदार ग्लोबल स्टेकहोल्डर के तौर पर प्राकृतिक आपदाओं या संघर्षों के दौरान सबसे पहले प्रतिक्रिया देना भारत के वैश्विक प्रोफाइल को बढ़ाने में मददगार साबित हुआ है। हर बात पर ना कहने वाले से देश से ग्लोबल गवर्नेंस में जिम्मेदारी निभाने को तैयार देश बनने की यात्रा भारतीय विदेश नीति का एक महत्वपूर्ण ट्रेंड रहा है।

सधता संतुलन

2023 में वर्ष दिखाई देने वाली दूसरी प्रवृत्ति थी अपनी महत्वपूर्ण साझेदारियों को लगातार संतुलित रखने की भारत की क्षमता। चुनौतियों के बावजूद प्रमुख ग्लोबल ताकतों के साथ नई दिल्ली के संबंध आगे बढ़ते रहे। यूक्रेन युद्ध ने पश्चिम के साथ भारत के संबंधों में कोई दरार पैदा नहीं की। हालांकि जब युद्ध शुरू हुआ था तब इसकी आशंका जताई जा रही थी। इसके उलट, ये रिश्ते और मजबूत होते रहे। सिख अलगाववादी नेता और अमेरिकी नागरिक गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश से जुड़े आरोपों के बावजूद भारत-अमेरिका संबंधों में गति बनी रही। क्वाड्रिलैटरल सिक्यॉरिटी डायलॉग – क्वाड – का दोबारा उभर आना साफ इशारा है कि भारत और अमेरिका उभरती वास्तविकताओं के आधार पर एक नई साझेदारी शुरू करने के इच्छुक हैं। इसके साथ ही भारत रूस के साथ अपने करीबी रक्षा और सामरिक संबंध बनाए रखने में भी कामयाब रहा।

घरेलू निर्माण क्षमता

बीते वर्ष भारत की बाहरी भागीदारी का एक और पहलू इस बात का बढ़ता अहसास रहा कि महत्वपूर्ण क्षेत्रों में घरेलू क्षमता निर्माण का कोई विकल्प नहीं है। केवल एक मजबूत और आत्मनिर्भर भारत ही चीन की बढ़ती आक्रामकता का मुकाबला कर सकता है। यदि कोविड-19 ने भारत को महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे में आत्मनिर्भरता की आवश्यकता को लेकर सचेत किया, तो रूस-यूक्रेन युद्ध ने उसे रक्षा आपूर्ति के लिए दूसरों पर अति निर्भरता के खतरों से आगाह किया।

दस गुना रक्षा निर्यात

2023 में भारत का रक्षा निर्यात 15,920 करोड़ रुपये तक पहुंच गया जो 2016-17 के रक्षा निर्यात (1,521 करोड़ रुपये) के 10 गुने से भी ज्यादा है। देश के बढ़ते सैन्य-औद्योगिक क्षेत्र के लिए तो यह एक उपलब्धि है ही, सरकार की आत्मनिर्भरता मुहिम के लिहाज से भी महत्वपूर्ण है।

यही नहीं आर्थिक मोर्चे पर इससे समान सोच वाले देशों के साथ ठोस व्यापारिक साझेदारी की संभावना और मजबूत हुई है।

अहम मोड़ पर भारत

मौजूदा विश्व व्यवस्था और भारत दोनों के लिए यह एक अहम मोड़ है। भारत एक बड़ी उपलब्धि की दहलीज पर खड़ा है।

न केवल अगली पांत की एक ऐसी आर्थिक शक्ति के रूप में जो एक बहुसांस्कृतिक लोकतंत्र भी है, बल्कि एक ऐसे जियो पॉलिटिकल प्लेयर के तौर पर भी, जो केवल संतुलन ही नहीं बनाता, नेतृत्व भी करता है। अगले कुछ वर्षों में नई दिल्ली जो फैसले करेगी, उनसे ही इस उत्कर्ष की रूपरेखा तय होगी।

एक तय तारीख को एग्रीमेंट अपने आप समाप्त हो जाएगा। हमने बस फैसला किया है कि इसे रीन्यू नहीं करेंगे।

इस समझौते का मकसद था हमारी राष्ट्रीय एजेंसियों को सक्षम बनाना। बाद में यह जिम्मेदारी हमारी नैशनल एजेंसी को दी जानी थी।

'यह कौन बनेगा करोड़पति पूछने जैसा', विपक्षी गठबंधन का संयोजक बनाने के सवाल पर खरगे का मजेदार जवाब

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शनिवार को बताया कि विपक्षी गठबंधन के नेता पदों के आवंटन पर 10-15 दिन के भीतर फैसला करेंगे। एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि इंडिया ब्लॉक में सीटों के बंटवारे सहित अन्य सभी मामलों को जल्द ही हल कर लिया जाएगा। विपक्षी गठबंधन का संयोजक कौन होगा यह पूछने पर कांग्रेस अध्यक्ष ने मजेदार जवाब दिया और कहा- ₹यह कौन बनेगा करोड़पति पूछने जैसा₹। दूसरी ओर कांग्रेस के पार्टी सूत्रों ने संकेत दिया इस महीने के अंत तक यह प्रक्रिया पूरी हो सकती है।

खरगे बोले- 545 सीटों पर काम कर रही कांग्रेस

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने कहा कि कांग्रेस सभी 545 लोकसभा सीटों पर काम कर रही है और उसने सभी सीटों के लिए पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की है, लेकिन कौन सी पार्टी किस सीट पर चुनाव लड़ेगी और कितनी सीटों पर लड़ेगी, इसका फैसला विपक्षी गठबंधन के सभी घटकों के साथ विचार-विमर्श के बाद जल्द ही किया जाएगा।

हमने पहले ही सभी निर्वाचन क्षेत्रों के लिए संसदीय पर्यवेक्षकों को चुनाः कांग्रेस अध्यक्ष

यह पूछे जाने पर कि पार्टी कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेगी, उन्होंने कहा, 'हमने पहले ही सभी निर्वाचन क्षेत्रों के लिए संसदीय पर्यवेक्षकों को चुन लिया है... हम प्रत्येक संसदीय क्षेत्र में जाकर आकलन करेंगे। अंतत, जब इंडी गठबंधन के नेता बैठेंगे और प्रत्येक राज्य में बातचीत होगी, तो सही संख्या सामने आ जाएगी। लेकिन, हम हर जगह अपनी कोशिश कर रहे हैं। अगर किसी उम्मीदवार के चयन को लेकर सहयोगियों के बीच असहमति होती है तो संसदीय पर्यवेक्षक भी हस्तक्षेप करेंगे।

हम 10-15 दिनों में तय करेंगे कि कौन किस पद पर रहेगाः खरगे

यह पूछे जाने पर कि गठबंधन का संयोजक कौन होगा, खड़गे ने कहा, 'यह 'कौन बनेगा करोड़पति' पूछने जैसा है। उन्होंने कहा, 'जब हम अपनी बैठक करेंगे तो हम 10-15 दिनों में तय करेंगे कि कौन किस पद पर रहेगा।' उन्होंने कहा कि सभी मुद्दों के समाधान के लिए एकजुट होकर काम कर रहे हैं।

शानदार क्षेत्ररक्षक हैं रोहित व कोहली : गावस्कर

●टी20 विश्व कप में खेलें दोनो

पूर्व कप्तानसुनील गावस्कर ने जून में होने वाले टी20 विश्व कप में रोहित शर्मा और विराट कोहली के खेलने का समर्थन करते हुए कहा कि ए दोनों सीनियर खिलाड़ी भारतीय टीम में सिर्फ अहम बल्लेबाज ही नहीं बल्कि शानदार क्षेत्ररक्षक भी हैं। रोहित और कोहली दोनों 2022 टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में इंग्लैंड से मिली हार के बाद से भारत के लिए इस प्रारूप में नहीं खेले हैं लेकिन दोनों ही खेल के इस छोटे प्रारूप में वापसी के लिए उत्सुक हैं। गावस्कर ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, मुझे उनका क्षेत्ररक्षण अच्छा लगता है। विराट कोहली और रोहित शर्मा अब भी बेहतरीन क्षेत्ररक्षक हैं और मैदान पर उनसे काफी मदद मिलेगी। साथ ही ड्रेसिंग रूम में उनके सीनियर होने के साथ वे मैदान पर भी योगदान करेंगे। उन्होंने कहा, कभी कभार आप जब 35-36 साल की उम्र में होते हो तो आपके एक्शन धीमे हो जाते हो। आपका थ्रो भी उतना जानदार नहीं रहता। इसलिए आपको मैदान में क्षेत्ररक्षण के लिए खिलाड़ियों को सजाते हुए कहां खड़ा किया जाए, इस पर चर्चा होती है। लेकिन इन दोनों खिलाड़ियों के साथ ऐसी कोई समस्या नहीं है क्योंकि ए दोनों अब भी शानदार क्षेत्ररक्षक हैं। टी20 विश्व कप वेस्टइंडीज और अमेरिका की संयुक्त मेजबानी में एक से 29 जून तक खेला जाएगा। रोहित की अनुपस्थिति में हार्दिक पंड्या टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारतीय टीम की अगुआई कर रहे हैं। इस आल राउंडर को मुंबई इंडियंस में भी रोहित की जगह कप्तानी दी गई है। रोहित को अगर टीम में शामिल किया जाता है तो क्या वह छोटे प्रारूप में भारतीय टीम की अगुआई करेंगे, लेकिन इसका पता अभी नहीं लगा है। पर रोहित के अनुभव को देखते हुए गावस्कर का मानना है कि टीम का नेतृत्व नहीं करने के बावजूद वह काफी कुछ दे सकते हैं। गावस्कर ने कहा, हम नहीं जानते कि रोहित कप्तान होगा या नहीं, लेकिन जो भी हो, कोई भी कप्तान हो, उसे इससे फायदा जरूर मिलेगा। उन्होंने कहा, पिछले डेढ़ साल से कोहली इतनी शानदार फॉर्म में हैं। 2023 विश्व कप में उनका प्रदर्शन अविश्सनीय रहा जिसमें उन्होंने तीन शतक से 750 रन बनाए। इसलिए उनकी सीमित ओवरों की बल्लेबाजी में कोई संदेह ही नहीं है। पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज इरफान पठान को भी लगता है कि रोहित और कोहली को टी20 विश्व कप में भारतीय टीम का हिस्सा होना चाहिए क्योंकि अमेरिका और वेस्टइंडीज की कुछ पिचों से सभी अनजान हैं और इन दोनों का अनुभव मैदान के अंदर और बाहर जरूरी होगा। पठान ने कहा, व्यक्तिगत रूप से, मैं विराट को पिच पर देखना चाहूंगा क्योंकि अगर हम दो साल पहले की बात करें तो वह निश्चित रूप से अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं था। लेकिन पिछले आईपीएल और टी20 में उसका प्रदर्शन अद्भुत रहा। , दोनों खिलाड़ियों को खिलाना टीम प्रबंधन के साथ उनकी फिटनेस पर भी निर्भर करेगा लेकिन मैं दोनों को मैदान पर देखना पंसद करूंगा, विशेषकर रोहित की फॉर्म भी शानदार चल रही है और वह वनडे क्रिकेट में काफी रन बना रहे हैं।

रोहित और विराट के टी20 चयन को लेकर उलझन जारी

केपटाउन।भारतीय टीम के चयनकर्ताओ की निगाहे जून मे होने वाले टी20 विश्व कप पर लगी हुई है जिससे उनके लिए अफ्गानिस्तान के खिलाफ आगामी श्रृंखला के लिए रोहित शर्मा और विराट कोहली मे से एक को चुनना आसान नही लग रहा है। अभी तक ऐसा लग रहा है कि दोनो को टीम मे रखा जाएगा लेकिन हो सकता है कि आईपीएल के दौरान की फॉर्म को टी20 विश्व कप टीम मे चयन के लिए अहम माना जाए। चर्चा का एक और दौर हो सकता है जिसमे भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के बड़े अधिकारी फैसला ले सकते है। चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर दूसरे टेस्ट के दौरान दोनो खिलाड़ियो से बात करने के लिए दक्षिण अफ्रीका गए थे और इन दोनो ने खुद को उपलब्ध बताया है। लेकिन बहुत सारे बाहरी कारक है जिससे अंत मे शायद फैसला लेने के लिए बीसीसीआई के सचिव जय शाह की जरूरत पड़े। दौरा करने वाली अफ्गानिस्तान के खिलाफ पहले टी20 मैच मे केवल पांच दिन बचे है और बीसीसीआई ने अभी तक 11 जनवरी से शुरू होने वाली तीन मैचो की श्रृंखला के लिए टीम की घोषणा नही की है। अगरकर भारत के लिए रवाना हो गए है और हो सकता है कि अगले 24 से 48 घंटो मे उनके वापस आने पर टीम की घोषणा कर दी जाएगी। अगर रोहित और कोहली दोनो को अंतिम एकादश मे शामिल किया गया तो टीम का संतुलन एक मुद्दा हो सकता है। एक पूर्व राष्ट्रीय चयनकर्ता ने गोपनीयता की शर्त पर पीटीआई से कहा, अगर आपके शीर्ष पांच मे रोहित, शुभमन गिल, विराट, सूर्यकुमार यादव और हार्दिक पंड्या है तो आपका बाएं हाथ का बल्लेबाज कहां है? मान लो कि आप कोहली को हटा देते है और गिल को तीसरे नंबर पर खिलाते है और यशस्वी जयसवाल को रोहित के साथ पारी का आगाज कराते है। पर क्या अजीत यह साहसिक फैसला कर सकते है। अगर चयनकर्ता रोहित और कोहली दोनो को शामिल करते है तो रुतुराज गायकवाड़ और ईशान किशन को बाहर होना पड़ेगा। इशान बाएं हाथ के विकेटकीपर बल्लेबाज है और गायकवाड़ शीर्ष क्रम के बल्लेबाजी विकल्प है।

लखनऊ की कानपुर पर रोमांचक जीत

● मीडिया लीग : चंडीगढ़ ने प्रयागराज को 7 रन से दी शिकस्त

लखनऊ।इश्तियाक रजा की चुस्त फीलि्डंग दो महत्वपूर्ण कैच आउट एवं मैन ऑफद मैच अभिनव शुक्ला-16 रन 2 विकेट के आलराउंड खेल से लखनऊ ने ऑल इंडिया मीडिया प्रीमियर लीग के दूसरे दिन रोमांचक जीत हासिल की। गुरु गोविंद सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज के क्रिकेट मैदान पर लखनऊ ने कानपुर को अंतिम गेंद तक चले मुकाबले में 4 रन से हराया।लखनऊ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 15 ओवर में 4 विकेट पर 105 रन बनाए। राजीव श्रीवास्तव ने 22 ऋषि सिंह सेंगर ने 21 एवं मयूर शुक्ला व अभिनव शुक्ला ने 16.16 रन का योगदान किया। कानपुर से वैभव को दो विकेट की सफलता मिली। जवाब में कानपुर निर्धारित ओवर में 5 विकेट पर 101 रन ही बना सका। आलोक अवस्थी ;21 व मोण्ओवैश 37 ने दूसरे विकेट के लिए 67 रन की साझेदारी की। इन दो बल्लेबाजों को इश्तियाक रजा ने कैच लपककर आउट किया। टीम के अन्य बल्लेबाज दहाई के आंकड़े में रन नहीं बना सके। लखनऊ से अभिनव शुक्ला व रोहित कुमार सिंह को दो.दो विकेट की सफलता मिली। इससे पूर्व दिन के पहले मैच में चंडीगढ़ ने राज ठाकुर 41 व गम्मू 42 की उम्दा पारी से प्रयागराज को 7 रन से शिकस्त दी। प्रयागराज से मैन ऑफद मैच जावेद मुस्तफा ने आलराउंड खेल दिखाया लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। चंडीगढ़ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 15 ओवर में 6 विकेट पर 120 रन बनाए। जवाब में प्रयागराज निर्धारित ओवर में 5 विकेट पर 113 रन ही बना सका। टीम से रितेश कुमार ने 23ए जावेद मुस्तफा ने 32 व अमित श्रीवास्तव ने 23 रन बनाए। चंडीगढ़ से सौरभ दुग्गल को दो विकेट की सफलता मिली। लीग की तालिका में लखनऊ दो मैचों में दो जीत के चलते चार अंक के साथ शीर्ष पर है। वहीं चंडीगढ़ दो मैचों में एक जीत के चलते तीन अंक के साथ दूसरे स्थान पर है। कानपुर दो मैचों में एक हार के चलते एक अंक के साथ तीसरे स्थान पर है।

बिहार क्रिकेट में गुटबाजी चरम पर, रणजी मैच खेलने दो टीमें पहुंची

नई दिल्ली।बिहार क्रिकेट के लिए गुटबाजी कोई नई बात नहीं है और दो दशकों से चली आ रही अंदरूनी कलह के कारण उसे भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की नाराजगी का सामना करना पड़ा और साथ ही कुछ अच्छी प्रतिभाएं भी राज्य से दूर हो गईं। टीम पटना में जन्मे और पले-बढ़े ईशान किशन और गोपालगंज के रहने वाले तेज गेंदबाज मुकेश कुमार की सेवाएं लेने में विफल रही। ये खिलाड़ी क्रमश: झारखंड और बंगाल के लिए खेलकर राष्ट्रीय टीम का हिस्सा बन गए है। इन दोनों के अलावा कई और खिलाड़ियों ने बेहतर माहौल में क्रिकेट करियर बनाने के लिए दूसरे राज्यों (टीमों) का रुख करना बेहतर समझा। गुटबाजी की घटना का ताजा मामला शुक्रवार को पटना में सामने आया जब दो टीमें मोइन-उल-हक स्टेडियम में मुंबई के खिलाफ रणजी ट्रॉफी एलीट बी ग्रुप मैच खेलने पहुंची गई। इसमें से एक टीम का चयन बिहार क्रिकेट संघ (बीसीए) के सचिव अमित कुमार ने किया और दूसरी टीम का चयन बीसीए अध्यक्ष राकेश तिवारी ने किया। तिवारी की टीम आखिरकार मैच खेलने में सफल रही। इस टीम की अगुवाई बाएं हाथ के अनुभवी स्पिनर आशुतोष अमन कर रहे हैं। बीसीए के पूर्व अधिकारी और 2013 आईपीएल (इंडियन प्रीमियर लीग) स्पॉट फिक्सिंग मामले के मूल याचिकाकर्ता आदित्य वर्मा ने पीटीआई-भाषा को बताया, सबसे पहले, इस मैच के लिए मोइन-उल-हक स्टेडियम का चयन क्यों किया? राजबंसी नगर के ऊर्जा स्टेडियम में बेहतर सुविधाएं हैं। यह स्टेडियम भी पटना में ही है। इस तरह के प्रकरणों से केवल बिहार क्रिकेट को नुकसान होगा क्योंकि हमारे पास बहुत सारे प्रतिभाशाली क्रिकेटर हैं। बीसीए में कलह की शुरुआत 2002 से शुरू हुई जब बीसीसीआई के तत्कालीन अध्यक्ष जगमोहन डालमिया ने पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव द्वारा संचालित राज्य के क्रिकेट संघ को निलंबित कर दिया था।

दैनिक सिटी न्यूज मुंबई
रविवार, 07 जनवरी 2024, ठाणे, मुंबई

लोकसभा चुनाव में ज्यादा से ज्यादा सीटें जीताना पार्टी का लक्ष्य : कांग्रेस

विधानसभा चुनाव में मिली हार पर किया मंथन

जो गलतियां विधानसभा चुनाव में हुईं उनसे सबक लेते हुए हमे आगे बढ़ना है :

(एजेंसियां)। कांग्रेस की मध्य प्रदेश इकाई के अध्यक्ष जीतू पटवारी की अध्यक्षता में शविार को भोपाल स्तिथ मुख्य कार्यालय में पार्टी के विधानसभा चुनाव में हारे प्रत्याशियों की बैठक हुई। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी लोकसभा चुनाव में ज्यादा से ज्यादा सीटें जीतने की कोशिश करेगी।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने बैठक में सभी 164 सीटों पर मिली हार पर मंथन किया गया। इसमें हारे हुए प्रत्याशियों ने भीतरघात का आरोप लगाया। इसके साथ ही उन्होंने बागियों पर भी जमकर अपनी भड़ास निकाली। मुंगावली से कांग्रेस के प्रत्याशी यादवेंद्र सिंह ने कहा कि हमारे साथ भीतर घात किया गया है। हमारे लोगों ने गद्दारी की है। पार्टी में कई आस्तीन के सांप हैं, जो व्यक्ति कांग्रेस में रहकर कांग्रेस को नुकसान पहुंचा रहा है वह कांग्रेस का है ही नहीं। उसे पार्टी से बाहर कर देना चाहिए।

प्रत्याशियों ने अपनों पर लगाया भीतरघात का आरोप

इसके साथ ही एक अन्य प्रत्याशी ने कहा कि कई गद्दार लोग हैं उन्होंने गद्दारी की है। ऐसे लोगों के नाम पीसीसी चीफ को सौंपें जाना चाहिए। ऐसे लोगों पर कार्रवाई नहीं हुई तो ये लोकसभा चुनाव में भी पार्टी को नुकसान पहुंचा सकते हैं। साथ ही कई अन्य प्रत्याशियों ने भाजपा पर भी जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा ने चुनाव में खुलकर सत्ता का दुरुपयोग किया है। पुलिस, पैसा, प्रशासन का दुरुपयोग किया गया है।

चुनाव में इतना पैसा बांटा गया जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती है। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष पटवारी ने लोकसभा चुनाव के लिए सभी से एक जुट होने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि जो गलतियां विधान सभा चुनाव में हुईं उनसे सबक लेते हुए हम आगे बढ़ना है और लोकसभा में अधिक से अधिक सीटों पर जीत हासिल करनी हैं।

लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर होगा विचार मंथन : कांग्रेस

कांग्रेस की मध्य प्रदेश इकाई के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने ने संवाददाताओं को बताया कि आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारियों के लिए लगातार तीन दिन तक पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ विचार मंथन होगा। इसी क्रम में शनिवार को पार्टी प्रत्याशियों की बैठक रखी गई। रविवार को पार्टी के अन्य घटकों की और सोमवार को लोकसभा प्रभारियों की बैठक रखी गई है। उन्होंने कहा कि पार्टी लोकसभा चुनाव में ज्यादा से ज्यादा सीटें जीतने की कोशिश करेगी।

ईडी ने हेमंत सोरेन के प्रेस सलाहकार को समन किया

झारखंड के साहिबगंज में हुए अवैध खनन मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रेस सलाहकार अभिषेक प्रसाद उर्फ पिंटू सहित तीन लोगों को समन किया है। इसमें 16 जनवरी को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रेस सलाहकार अभिषेक प्रसाद उर्फ पिंटू को पूछताछ के लिए ईडी के क्षेत्रीय कार्यालय में बुलाया गया है। जबकि 11 जनवरी को साहिबगंज के उपायुक्त रामनिवास यादव और 15 जनवरी को विनोद सिंह को पूछताछ के लिए समन किया गया है। इससे पूर्व ईडी की टीम ने तीन जनवरी को साहिबगंज जिले में अवैध खनन मामले को लेकर 12 ठिकानों पर छापेमारी की थी। इस दौरान ईडी ने विभिन्न आपत्तिजनक डिजिटल उपकरण, दस्तावेज, रिकॉर्ड और रुपये की नकदी बरामद की। साहिबगंज के डीसी राम निवास यादव के कैंप कार्यालय से 7.25 लाख रुपये सहित 36.99 लाख रुपये बरामद किये गये थे। इसके अतिरिक्त साहिबगंज के डीसी राम निवास यादव के आवासीय परिसर से 9 एमएम बोर के 19 कारतूस, .380 एमएम के 2 कारतूस और 45 पिस्टल के 5 खाली खोखे भी बरामद किये गये। तलाशी के दौरान 30 बेनामी बैंक खातों का भी पता चला और उन्हें फ्रीज कर दिया गया था।

झारखंड में अब सियासी जमीन तलाश रहा है जदयू

नीतीश कुमार 21 को झारखंड के रामगढ़ में करेंगे बड़ी रैली

बिहार में सरकार की अगुवाई कर रहा जनता दल यूनाइटेड अब झारखंड में भी सियासी जमीन की तलाश में जुटा है। पार्टी की नजर झारखंड में कुर्मी-कोयरी वोटरों पर है। बिहार में इस वोट बैंक पर जदयू की पकड़ मानी जाती है। उसकी कोशिश है झारखंड में उन क्षेत्रों में फोकस रखा जाए, जहां इन दोनों जातियों की खासी आबादी है।

सियासी जमीन के विस्तार के इरादे से पार्टी के सुप्रीमो नीतीश कुमार 21 जनवरी को झारखंड के रामगढ़ में बड़ी रैली करेंगे। इसकी तैयारियों को लेकर शनिवार को जदयू के झारखंड प्रदेश प्रभारी सह बिहार के भवन निर्माण मंत्री अशोक चौधरी रांची पहुंचे। उन्होंने पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद खीरू महतो सहित अन्य पदाधिकारियों के साथ बैठक कर जनसभा की तैयारियों पर चर्चा की। रांची में एक प्रेस कांफ्रेंस में चौधरी ने कहा कि झारखंड में पार्टी के बढ़ने की पूरी संभावना है। हमने पिछले

हमने पिछले सालों में कुछ गलतियां की है, जिसका नुकसान हुआ है। हम पार्टी की ताकत को बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं :अशोक चौधरी

सालों में कुछ गलतियां की है, जिसका नुकसान हुआ है। हम पार्टी की ताकत को बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। हमारे पास अभी वक्त है।

चौधरी ने कहा यह हमारी अपनी रैली है, पार्टी की रैली है। अगर कोई और राजनीतिक दल आना चाहे तो आ सकता है। यह गठबंधन का नहीं हमारी पार्टी का कार्यक्रम है। हम लोगों को हमेशा यह लगता है कि झारखंड में हमारी पोजिशन अच्छी रही है और हम इसे फिर से वापस हासिल कर सकते हैं। इंडिया गठबंधन के तहत सीटों के बंटवारे में भी जदयू झारखंड में एक से दो लोकसभा सीटों पर दावेदारी के मूड में है। झारखंड में कुर्मी-कोयरी वोटरों की तादाद करीब 23 फीसदी है। पार्टी का मानना है कि अगर उनकी गोलबंदी की जाए तो झारखंड में सियासत का एक प्रभावशाली कोण बनाया जा सकता है। इसी इरादे से दो साल पहले नीतीश कुमार ने झारखंड के कद्दावर कुर्मी नेता खीरू महतो को बिहार से राज्यसभा भेजा था और इसके बाद राज्य में उन्हें प्रदेश अध्यक्ष बनाकर संगठन के विस्तार की जिम्मेदारी सौंपी थी।

राम मंदिर पर बयान देने से बचते नजर आए तेजस्वी

पटना। बिहार के उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के मधुबनी में मंदिर पर दिए गए एक बयान के बाद सियासी बवाल मच गया। अब इस मुद्दे पर तेजस्वी यादव बयान देने से बच रहे हैं। जब इस संबंध में उनसे शनिवार को पूछा गया तो उन्होंने स्पष्ट कहा कि छोड़िए न इन बातों को। हालांकि, अन्य प्रश्नों का उन्होंने खुलकर जवाब दिया। एक सरकारी कार्यक्रम में भाग लेने के बाद तेजस्वी से जब पत्रकारों ने उनके राम मंदिर के संबंध में दिए गए बयान पर विपक्षी दलों द्वारा निशाना साधे जाने के संबंध में पूछा तो उन्होंने सीधे कहा कि छोड़िए न इन सब बातों को, मुझे इस पर कुछ नहीं कहना। तेजस्वी ने कहा कि हम बिहार के विकास की चिंता करते हैं। युवाओं को रोजगार देने के लिए काम करते हैं। बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री सुशील मोदी से जुड़े एक प्रश्न पर उन्होंने कहा कि उनको पहले अपने बारे में बताना चाहिए कि उनका फ्यूचर क्या होने वाला है। हम लोग काम में लगे हुए हैं और उन लोगों को प्रदेश के विकास से कोई लेना-देना नहीं है।

खरगे ने संभाला मोर्चा; मणिपुर से लेकर 146 सांसदों का निलंबन तक को साधने की तैयारी

कांग्रेस मुख्यालय में लोगो की लॉन्चिंग पर आयोजित पत्रकार वार्ता में खरगे ने कहा, 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' देश के बुनियादी सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक मुद्दों को लेकर निकाली जाएगी। इसके माध्यम से जनता से जुड़े मुद्दों पर बात होगी। महंगाई, बेरोजगारी, किसानों के मुद्दे, मजदूरों की बुरी हालत, अमीर-गरीब के बीच में बढ़ती खाई और जातिगत जनगणना से जुड़े मुद्दों पर जन जागरण किया जाएगा। 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' का मंच, एनजीओ, पत्रकारों, किसान, छोटे व्यापारी, दलित-पिछड़े वर्ग, आदिवासियों और बौद्धिक वर्ग को अपने सा जोड़ेगा।

मित्र दल व सिविल सोसाइटी आमंत्रित यह यात्रा केवल अपनी बात जनता तक पहुंचाने के लिए नहीं है, बल्कि जनता की आवाज और उनकी समस्याओं को सुनने का भी मंच है। कांग्रेस ने 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' से जुड़ने के लिए इंडिया गठबंधन के नेताओं, विभिन्न राज्यों में कांग्रेस के मित्र दलों और सिविल सोसाइटी को आमंत्रित किया है। यात्रा के दौरान उन सभी लोगों से भेंट होगी और विचार-विमर्श किया जाएगा। इस यात्रा का उद्देश्य संविधान की प्रस्तावना में उल्लेखित चार स्तंभों- न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुत्व को पुनः मजबूत करना भी है। कांग्रेस अध्यक्ष ने फिर से मणिपुर हिंसा का मुद्दा उठाते हुए कहा कि मणिपुर में दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटती रही, मगर पीएम मोदी मणिपुर नहीं गए। प्रधानमंत्री हर जगह जाकर नए-नए कपड़े पहनकर फोटो खिंचवाते हैं और बोलते हैं, मगर पीएम मोदी मणिपुर नहीं गए।

कांग्रेस अपनी बात जनता से कह सकेगी

मल्लिकार्जुन खरगे ने बीते दिनों संसद में हुई कार्यवाही को लेकर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस लोगों के बीच जाकर उन्हें बताएगी कि इस यात्रा के अलावा और कोई रास्ता नहीं है। जब हमने संसद में देश से जुड़े मुद्दे उठाने का प्रयास किया तो सरकार ने हमें बोलने नहीं दिया। देश के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ कि जब 146 सांसदों को निलंबित कर दिया गया। यही कारण है कि कांग्रेस 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के माध्यम से जनता के बीच जा रही है। इसके जरिए कांग्रेस अपनी बात जनता से कह सकेगी। समाज के हर वर्ग से मिलकर उनकी बात सुन सकेगी। जांच एजेंसियों के दुरुपयोग का जिक्र करते हुए मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, भाजपा सरकार खुलेआम ईडी, सीबीआई, आयकर विभाग का इस्तेमाल कर विपक्ष को डराने-धमकाने का काम कर रही है। यह लोग जब विपक्ष के नेताओं को पकड़ते हैं, तो उनके ऊपर कोई भी केस थोप देते हैं। जैसे ही वह नेता भाजपा में शामिल होता है, उसकी छवि साफ हो जाती है। कांग्रेस अध्यक्ष ने नए आपराधिक कानूनों, श्रम कानूनों को लेकर भी मोदी सरकार पर हमला किया और कहा कि ये तानाशाही के संकेत हैं।

पुणे में गैंगस्टर शरद मोहोल की गोली मारकर हत्या, 8 गिरफ्तार, गैंग के सदस्यों ने ही मारी गोली

राउंड फायरिंग में से शरद मोहोल को तीन गोलियां लगीं, दो दाहिने कंधे में और एक छाती में जो दिल से पार हो गई।वित्तीय लेनदेन विवाद में हत्यापुलिस आयुक्त रेतेश कुमार ने बताया कि मोहोल की हत्या का मुख्य संदिग्ध स्थानीय निवासी साहिल पोलेकर उर्फ मुन्ना है। उसका शरद मोहोल के साथ कुछ वित्तीय लेनदेन का विवाद था। इस वजह से वह अंदर ही अंदर शरद से नाराज था और उसने मौका मिलते ही उसकी हत्या कर दी।गिरफ्तारी के लिए बनीं 9 टीमेंगोलीबारी के बाद, मोहोल के सहयोगी अरुण धूमल ने कोथरुड पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद हत्या, साजिश, हथियार अधिनियम की धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गई और नौ जांच टीमें गठित की। गैंगस्टर कभी यरवदा सेंट्रल जेल परिसर में इंडियन मुजाहिदीन (आईएम) के आतंकवादी कतील सिद्दीकी की कथित हत्या का आरोपी था, लेकिन बाद में 2019 में बरी कर दिया गया था।गैंगस्टर संदीप मोहोल का भाईशरद मोहोल के परिवार में उनकी पत्नी, बेटे, मां और एक भाई हैं। शुक्रवार को शादी की सालगिरह के दिन उसकी हत्या कर दी गई। वह पहले अपने बड़े भाई और गैंगस्टर संदीप मोहोल का ड्राइवर था। संदीप की अक्टूबर 2006 में एक प्रतिद्वंद्वी माफिया गिरोह ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। बाद में, शरद मोहोल ने गिरोह पर कब्ज़ा कर लिया और गैंगस्टर किशोर मार्ने की हत्या करके अपने भाई की हत्या का बदला लिया, जो संदीप मोहोल गोलीबारी में संदिग्धों में से एक था।क्या बोले देवेंद्र फडणवीसइधर महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि यह गिरोहों के बीच की लड़ाई का मामला नहीं है, क्योंकि मोहोल की हत्या उसी के साथियों ने की है। उन्होंने कहा, 'हमारी सरकार जानती है कि ऐसे कुख्यात तत्वों से कैसे निपटना है। कोई भी गिरोहों के बीच की लड़ाई में संलिप्त होने की हिम्मत नहीं कर सकता।'

महाराष्ट्र में कोरोना को लेकर कैसे हैं हालात? डिप्टी CM बोले- कोविड-19 की स्थिति पर रख रहे नजर

उपयुक्त आचरण का पालन कर सहयोग करने की अपील की. पवार ने कहा, ''वैसे तो कोविड-19 का वर्तमान स्वरूप अधिक घातक नहीं है तथा व्यक्ति पृथकवास में रहकर स्वस्थ हो सकता है, लेकिन फिर भी लोगों से मास्क लगाने का अनुरोध है.'' बीते 24 घंटे में कोरोना के आंकड़े भारत में शुक्रवार को कोविड संक्रमण के 761 मामले दर्ज किए गए जबकि संक्रमण से 12 लोगों की मौत हुई. स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली है. सुबह आठ बजे तक जारी किए आंकड़ों के अनुसार, देश में सक्रिय कोरोना संक्रमितों की संख्या गुरूवार को 4334 से घटकर 4423 हो गई. केरल में कोरोना के सर्वाधिक सक्रिय मामले 1249 हैं. उसके बाद कर्नाटक में 1240, महाराष्ट्र में 914, तमिलनाडु में 190, छत्तीसगढ़ और आंध्र प्रदेश में 128-128 मामले हैं. आंकड़ों के मुताबिक, संक्रमण से सर्वाधिक 12 मौतें केरल में दर्ज की गईं. उसके बाद कर्नाटक में चार, महाराष्ट्र में दो और उत्तर प्रदेश में एक मौत दर्ज की गई.

शरद पवार गुट के विधायक जितेंद्र आव्हाड के खिलाफ नवघर पुलिस स्टेशन में FIR दर्ज

कहा था, 'आज रामायण पढ़ लिजिए कि क्या लिखा है, आपको साफ हो जाएगा। लेकिन, किसी की भावनाएं आहत हुई हैं तो मैं खेद व्यक्त करता हूं। मैं किसी की भावनाओं को आहत नहीं करना चाहता था। लड़कियां उठाने वाले का नाम भी राम हैं और वो मेरे पर इल्जाम लगा रहे हैं।' उन्होंने कहा था, '22 तारीख तक किसी तर्क पर बात नहीं होगी, भावना पर ही बात होगी। इसलिए, मैं खेद व्यक्त करता हूं।' पहले पुणे में दर्ज हुई एफआईआर भगवान राम पर टिप्पणी को लेकर इससे पहले भाजपा की पुणे इकाई के अध्यक्ष धीरज घाटे ने शिकायत दर्ज कराई थी। जिसके बाद पुणे की विश्रामबाग पुलि ने उनके खिलाफ आईपीसी की धारा 295ए के तहत मामला दर्ज किया था। उन्होंने अपने खिलाफ शिकायत दर्ज होने पर कहा था कि वह किसी भी प्राथमिकी से नहीं डरते हैं।

महादेव बेटिंग ऐप केस की मुंबई से पहली गिरफ्तारी

आरोपियों में से एक है। महादेव ऐप से संबंधित वेबसाइट का डोमेन कोठारी के ई-मेल आईडी का उपयोग करके लिया गया था। कोठारी के ई-मेल में कई सटोरी और पंटरों के नाम मिले हैं। सूत्रों के अनुसार, एसआईटी को कुल 900 से अधिक बैंक खातों की जांच करनी है। यह घोटाला कई हजार करोड़ रुपये का है। पिछले साल नवंबर में कोर्ट के आदेश पर माटुंगा पुलिस ने महादेव सट्टेबाजी ऐप को लेकर दो मामले दर्ज किए थे। इस मामले में सौरभ चंद्राकर, रवि उप्पल समेत 30 से ज्यादा लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। इन केसों को बाद में क्राइम ब्रांच को ट्रांसफर कर दिया गया था और इसकी जांच के लिए एसआईटी का गठन किया गया था। इस एसआईटी में साइबर सेल, हफ्ता निरोधक प्रकोष्ठ और सीआईयू यानी क्राइम इंटेलिजेंस यूनिट के अधिकारियों को रखा गया है। AIअंडरवर्ल्ड की भूमिका की जांचएसआईटी अंडरवर्ल्ड की भूमिका की भी जांच कर रही है। भरोसेमंद सूत्रों के अनुसार, एसआईटी को कुल 900 से अधिक बैंक खातों की जांच करनी है, जिनमें शक है कि सट्टेबाजी की रकम ट्रांसफर हुई है। महादेव ऐप के प्रमोटरों सौरभ चंद्राकर, रवि उप्पल को कुछ दिनों पहले दुबई में हिरासत में लिया गया है और उन्हें भारत डिपोर्ट किए जाने की कोशिश की जा रही है।बॉलिवुड सेलेब्स पर भी नजरईडी ने छत्तीसगढ़ केस में पिछले हफ्ते 1,800 की सप्लीमेंटरी चार्जशीट दायर की है। ईडी मनी लॉन्डिंग एंगल से मामले की जांच कर रही है। ईडी की जांच के घेरे में बॉलिवुड की कुछ हस्तियां और कई राजनेता भी हैं।दुबई में भी एक्शनदुबई में अधिकारियों ने पिछले महीने महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप के दो प्रवर्तकों में से एक सौरभ चंद्राकर की गतिविधियों को प्रतिबंधित कर दिया था।चंद्राकर को सट्टेबाजी सिंडिकेट का मास्टरमाइंड माना जाता है। यह कदम महादेव ऐप के दूसरे प्रमोटर रवि उप्पल को स्थानीय पुलिस द्वारा दुबई में हिरासत में लिए जाने के लगभग दो सप्ताह बाद उठाया गया है।भूपेश बघेल भी फंसेउप्पल प्रवर्तन निदेशालय के किए जा रहे धन शोधन मामले की जांच का सामना कर रहा है। इस मामले में छत्तीसगढ़ के निवर्तमान मुख्यमंत्री भुपेश बघेल के खिलाफ रिश्वत के आरोप लगाए गए हैं। अधिकारियों के अनुसार, दुबई पुलिस ने प्रवर्तन निदेशालय के इशारे पर उप्पल के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी होने के बाद उसे हिरासत में लिया।सूत्रों ने कहा कि दुबई के अधिकारियों ने उप्पल की गिरफ्तारी के तुरंत बाद भारतीय अधिकारियों को सूचित किया और उसे निर्वासित करने की अपनी इच्छा दिखाई क्योंकि वह लगभग 6,000 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग में कथित संलिप्तता के लिए भारत में वांछित है।चंद्राकर के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिसइस साल अक्टूबर में उप्पल और अवैध सट्टेबाजी सिंडिकेट के अन्य प्रमोटर और मास्टरमाइंड चंद्राकर के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी किए गए थे, जो संयुक्त अरब अमीरात में भी हैं। प्रवर्तन निदेशालय द्वारा रायपुर में एक विशेष अदालत का रुख करने और उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट प्राप्त करने के बाद दोनों आरोपियों के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया गया था। उप्पल की गिरफ्तारी के बाद पता चला कि चंद्राकर को जल्द ही गिरफ्तार किया जा सकता है।एजेंसी ने हाल ही में रायपुर, भोपाल, मुंबई और कोलकाता में 39 स्थानों पर तलाशी ली थी और 417 करोड़ रुपये की अवैध संपत्ति जब्त की थी। ईडी ने विदेशों में भी गंभीरता से जांच शुरू की है। रायपुर की प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) की विशेष अदालत ने भी संदिग्धों के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किए हैं।

पृष्ठ 1/8 का शेष

शिवसेना में टूट पर CM

सरकार की नीतियों का बचाव करते हुए दिखाई पड़े. 'अब की बार 45 पार' प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ करते हुए सीएम एकनाथ शिंद ने कहा कि इस बार महाराष्ट्र में हमने नया नारा दिया है, अबकी बार 45 पार. उन्होंने महाराष्ट्र की 48 में से 45 लोकसभा सीटों पर जीत का दावा किया. सीएम शिंदे ने कहा कि लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास कार्यों से खुश हैं, इसका परिणाम चार राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणामों में देखने को मिला है. दरअसल, साल 2019 में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के बाद मुख्यमंत्री पद के मुद्दे पर सहमति न बन पाने के कारण शिवसेना ने बीजेपी से सालों पुराना गठबंधन तोड़ दिया था. उद्धव ठाकरे ने बीजेपी से अलग होने के अपने फैसले पर कहा था कि ₹उन्होंने अपने दिवंगत पिता से वादा किया है कि एक बार फिर से शिवसेना के एक कार्यकर्ता को महाराष्ट्र में शीर्ष पद मिलेगा.₹ हालांकि बाद में उद्धव ठाकरे ने एनसीपी, कांग्रेस के साथ मिलकर महाराष्ट्र में सरकार बनाई और खुद मुख्यमंत्री बने.

शरद पवार, उद्धव ठाकरे,

पर कर रहा दावामहायुति के लिए बहुत खुशी की बात यह है कि एमवीए साझेदार 48 सीटों को लेकर झगड़ते रहे हैं, जबकि वंचित बहुजन अघाड़ी (वीबीए) जैसे अन्य दावेदार अपने हिस्से के लिए बाहर इंतजार कर रहे हैं। एक अजीब नजारा सामने आया है जहां एसएस-यूबीटी और कांग्रेस लगभग 23-24 सीटों की मांग कर रहे हैं, एनसीपी (एसपी) ने अभी तक कोई आंकड़ा जारी नहीं किया है, जबकि वीबीए कम से कम 12 सीटों पर दावा कर रही है।एसएस-यूबीटी का दावा और गणना 2019 में अविभाजित शिवसेना के रूप में उसकी जीत पर आधारित है। कांग्रेस नेताओं का तर्क है कि अब मूल रूप से चुने गए अधिकांश सांसद मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना में शामिल हो गए हैं। इस पर पलटवार करते हुए, एसएस-यूबीटी ने बताया कि 2019 में कांग्रेस को केवल 1 लोकसभा सीट मिली, जबकि एनसीपी (एसपी) ने 4 सीटें जीतीं।हर पार्टी का अपना तर्ककांग्रेस नेताओं ने पलटवार करते हुए कहा कि एसएस ने जिन 18 सीटों पर जीत हासिल की, उनका वोट शेयर 23.5 प्रतिशत था। जबकि कांग्रेस का 16.4 प्रतिशत (1 सीट, चंद्रपुर) और अविभाजित एनसीपी का 15.7 प्रतिशत (4 सीटें) था। हालांकि, कांग्रेस-एनसीपी को शिकायत है कि कई निर्वाचन क्षेत्रों में ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के साथ वीबीए के पूर्ववर्ती गठबंधन ने कथित तौर पर 7 प्रतिशत वोट शेयर के साथ कई निर्वाचन क्षेत्रों में उनके वोट काटे, हालांकि, एआईएमआईएम ने छत्रपति संभाजीनगर (तत्कालीन, औरंगाबाद) में केवल एक सीट जीती।एनसीपी भी आशावादीस्वाभाविक रूप से, वीबीए-एआईएमआईएम गठबंधन और कुछ अन्य स्थानीय ताकतों ने, जिन्होंने 9.6 प्रतिशत वोट शेयर हासिल किया, कांग्रेस-एनसीपी को बुरी तरह नुकसान पहुंचाया और भाजपा के नेतृत्व वाले भगवा गठबंधन के प्रदर्शन को बढ़ावा दिया। हालांकि, एनसीपी (एसपी) आशावादी है कि प्रकाश अंबेडकर के नेतृत्व वाली वीबीए को इंडिया गंठबंधन में जगह दी जा सकती है। लेकिन, राज्य और केंद्रीय कांग्रेस नेताओं के मन में इस प्रस्ताव के बारे में गंभीर संदेह और अविश्वास है।फिर भी, विपक्षी दल असहज रूप से एक साथ हैं, और कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने एसएस-यूबीटी और एनसीपी (एसपी) के साथ कम से कम 35 सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है। राज्य कांग्रेस के एक बड़े नेता के अनुसार, एमवीए सीट शेयर व्यवस्था की घोषणा मुमकिन है कि इंडिया गठबंधन की घोषणा के बाद जनवरी के अंत में होने की संभावना है।

फेसबुक पर बिटकॉइन में निवेश

किया गया था कि बिटकॉइन में न्यूनतम 500 डॉलर यानी लगभग 42,000 रुपये का निवेश करने वालों को मुनाफा होगा। विज्ञापन में यह भी दावा किया गया था कि निवेशकों को उनके निवेश के बदले में 4,800 डॉलर मिलेंगे। पैसे जल्दी कमाने का लालच महिला ने फेसबुक पर लुभावना विज्ञापन देखा तो वह जल्दी पैसे कमाने की संभावना से उत्साहित हो गई। महिला ने विज्ञापन में दिए गए फोन नंबर पर संपर्क करने का फैसला किया। दूसरी तरफ फोन पर मौजूद व्यक्ति ने खुद को बेल्जियम का नागरिक बताया। जालसाज ने गढ़ी झूठी कहानी जालसाज ने बड़ी आसानी से एक भरोसा करने वाली कहानी गढ़ी। उसने महिला को पर्याप्त रिटर्न का आश्वासन दिया और उसे कथित निवेश प्रक्रिया के माध्यम से गाइड किया। प्रक्रिया के एक हिस्से के रूप में उसे एक मोबाइल ऐप डाउनलोड करने और एक प्रोफाइल बनाने के लिए कहा गया। इस दौरान उस ठग ने इसे वैध बनाने के लिए उसे एक स्क्रीनशॉट भी भेजा ताकि यह दिखाया जा सके कि उसे उनकी सूची में जोड़ा गया है। शुरुआत में कराया 50 हजार का निवेश शुरुआत में उसने बिटकॉइन में 50,000 रुपये का निवेश किया और एक छोटी राशि के लिए एक वेरिफिकेशन ईमेल हासिल किया, जानबूझकर संदेह पैदा करने के लिए एक विसंगति पैदा की। उसे और फंसाने के लिए जालसाज ने एक वेबसाइट उसे दिखाई। इसमें उसके निवेश से नहीं मिले लाभ को दिखाया गया था। आसानी से पैसे कमाने की लालच में महिला ने और अधिक जानकारियां शेयर की। जैसे अपग्रेड,फीस और टैक्स का भुगतान करना। हालांकि ये सभी अनुरोध अवैध थे। जालसाज ने उसे एक वेबसाइट दिखाई। इसमें दिखाया गया था कि उसने 4,586 डॉलर का लाभ कमाया है। जो उसके कुल निवेश को देखते हुए 3 लाख रुपये से अधिक है। हालांकि जब उसने वेबसाइट पर देखे गए पैसे को निकालने की कोशिश की उसे पता चला कि उसके साथ ठगी हुई है।

ED की रेड पर शरद गुट के विधायक रोहित पवार की पहली प्रतिक्रिया, डिप्टी CM देवेंद्र फडणवीस को घेरा

एनसीपी-शरद पवार गुट के नेता रोहित पवार कहते हैं, ₹ईडी कार्यालय में अधिकारी अपना काम कर रहे हैं. हम सभी आवश्यक दस्तावेजों और फाइलों के साथ उनका समर्थन कर रहे हैं... अधिकारी अपना काम कर रहे हैं लेकिन जहां तक राजनीति की बात है चिंतित है जैसे-जैसे हम आगे बढ़ेंगे हमें समझ आएगा कि इसके पीछे कौन है...₹ महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस पर रोहित पवार का कहना है, ₹वह ऐसे व्यक्ति हैं जो आज एक बयान देते हैं और अगले दिन उसके विपरीत बयान देते हैं. हमें कभी भी उनके बयान पर भरोसा नहीं करना चाहिए...₹क्या है मामला ?प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने

शुक्रवार को NCP सुप्रीमो शरद पवार के पोते रोहित पवार के स्वामित्व वाली बारामती एग्रो लिमिटेड के परिसरों पर छापेमारी की थी. 38 वर्षीय रोहित पवार बारामती एग्रो के सीईओ हैं. वह अहमदनगर जिले की कर्जत-जामखेड सीट से एनसीपी विधायक भी हैं. जब उनके चाचा अजीत पवार विधायकों के एक बड़े समूह के साथ एनडीए खेमे में शामिल हो गए और राज्य के उपमुख्यमंत्री बन गए, तो रोहित पवार ने शरद पवार और उनकी बेटी, एनसीपी की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले के साथ रहना चुना.क्या बोले विधायक रोहित पवार? रोहित पवार ने सोशल मीडिया पर कही ये बातएनसीपी विधायक रोहित पवार ने X पर लिखा, "यह स्वाभिमानी महाराष्ट्र के प्रगतिशील विचारों का चेहरा है जिन्होंने महाराष्ट्र धर्म को पीढ़ियों तक संरक्षित और संरक्षित किया है महाराष्ट्र की भूमि में संघर्ष का एक लंबा इतिहास है क्योंकि महान नेताओं ने हमें इसके खिलाफ संघर्ष करना भी सिखाया है." इसलिए, एक मराठी व्यक्ति के रूप में, हर किसी को महाराष्ट्रीयन लोकाचार को बनाए रखने और संरक्षित करने के संघर्ष के लिए तैयार रहना होगा."

फेसबुक पर बिटकॉइन में निवेश कर भारी मुनाफे का लालच, ऐड पर क्लिक के बाद 27 लाख रुपये उड़े

मुंबईः महाराष्ट्र के ढोकली में ऑनलाइन फ्रॉड का बड़ा मामला सामने आया है। ढोकली की रहने वाली 33 साल की महिला को फेसबुक पर आए एक लिंक पर क्लिक करना महंगा पड़ गया। लिंक में बिटकॉइन में निवेश कर भारी मुनाफे का लालच दिया गया था। लिंक पर क्लिक करते ही महिला के खाते से 27 लाख रुपये उड़ गए। इस तरह से महिला फेसबुक पर बिटकॉइन निवेश फ्रॉड का शिकार हो गई। कैसे हुई ठगी की शुरुआत? दरअसल फेसबुक पर आराम से ब्राउज करते समय महिला को एक विज्ञापन मिला। इसमें दावा शेष पृष्ठ 7 पर

भिवंडी में कोहरे के कारण हुई दुर्घटना,टैंकर चालक हुआ जख्मी

सिटी न्यूज मुंबई/गनी खान भिवंडी शहर व ग्रामीण इलाके के शुक्रवार की सुबह जोरदार कोहरा की चादर में लिपटा गया।इस कारण कुछ ही दूरी पर कुछ दिखाई नहीं दे रहा था। तालुका के कावड़ नाका क्षेत्र में फैले कोहरे के कारण शुक्रवार की सुबह एक टैंकर चालक बाइक को बचाने के चक्कर में दुर्घटना का शिकार हो गया।जिसमे टैंकर चालक रूप से घायल हो गया। तालुका में हर तरफ कोहरे की चादर फैल गई। इस बीच, शुक्रवार सुबह करीब 7 बजे वाडा रोड से दूध लेकर टैंकर क्रमांक यूपी 15 एफटी 0224 भिवंडी की ओर जा रहा था।जैसे ही वह टैंकर कावड़ नाका के बंद टोल बूथ पर आया तो उसके चालक को सामने से सही बाइक दिखाई नहीं दे रहा था।अचानक एक बाइक टैंकर के सामने आ गया।जिसको बचाने के चक्कर में चालक ने टैंकर से नियंत्रण खो दिया और टैंकर डिवाइडर से जा टकराया। इसके बाद टैंकर के पीछे से तेज गति से आ रहे टेंपो ने भी टैंकर में टक्कर मार दी। जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुणे में गैंगस्टर शरद मोहोल की गोली मारकर हत्या, 8 गिरफ्तार, गैंग के सदस्यों ने ही मारी गोली

पुणेः महाराष्ट्र के पुणे में गैंगस्टर शरद मोहोल की गोली मारकर हत्या कर दी गई। शरद मोहोल की हत्या उसके ही गिरोह के कुछ सदस्यों ने की। पुणे पुलिस ने दिनदहाड़े हुई इस हत्या से जुड़े 8 लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से कुछ हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया है। संदिग्धों को शुक्रवार देर रात दो वाहनों में जिले से भागने की कोशिश करते समय पुणे-बेंगलुरु राजमार्ग पर पकड़ा गया। 9 अलग-अलग टीमों की पुलिस जांच के अनुसार, 40 वर्षीय स्थानीय गुंडे को उनके एक सहयोगी और अन्य साथियों ने वित्तीय विवाद को लेकर गोली मार दी थी। आगे की जांच जारी है। इधर कुख्यात गैंगस्टर शरद एच मोहोल की हत्या का वीडियो भी सोशल मीडिया पर

वायरल हुआ है। इसमें दिख रहा है कि शरद अपने साथियों के संग पैदल चल रहा है। तभी पीछे चल रहे साथी उस पर गोली बरसाना शुरू कर देते हैं और वहां से भाग जाते हैं। पुलिस ने शरद मोहोल की हत्या के आरोपियों के पास से तीन देशी पिस्तौल, तीन मैगजीन और पांच कारतूस के साथ-साथ दो गेटअवे कारें भी बरामद की हैं।

गोलीबारी शुक्रवार दोपहर करीब 1.15 बजे कोथरुड के सुतारदरा इलाके के पांडुरंग वाडी में मोहोल के कार्यालय-सह-निवास के बाहर हुई। शादी की सालगिराह के दिन हत्याशनिवार को सामने आए सीसीटीवी फुटेज से पता चलता है कि कैसे मोहोल कथित तौर पर अपनी शादी की सालगिरह मनाई। अपने सहयोगियों के साथ दोपहर का खाना खाया और फिर अपने घर से बाहर निकला। अचानक एक संकरी गली में उसे गोली मार दी गई। पास में खड़े मोहोल के एक सहयोगी ने हमलावर को पकड़ने की कोशिश की, लेकिन वे सभी घटनास्थल से भाग गए।खून से लथपथ लेकर पहुंचे अस्पतालफिर, सहयोगी और एक अन्य ने अत्यधिक खून बह रहे मोहोल को उसके पैरों पर खड़ा करने में मदद की और उसे पास के सह्याद्री अस्पताल ले गए। अधिकारियों ने कहा कि चार शेष पृष्ठ 7 पर

खरगे ने संभाला मोर्चा; मणिपुर से लेकर 146 सांसदों का निलंबन तक को साधने की तैयारी

कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने लोकसभा चुनाव से पहले शुरु हो रही 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' का खाका और मकसद, देश के सामने पेश कर दिया है। खरगे ने मोर्चा संभालते हुए स्पष्ट कर दिया है कि कांग्रेस की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के मूल में कुछ ही नहीं, बल्कि अनेक मुद्दे शामिल होंगे। महंगाई, बेरोजगारी, किसानों के मुद्दे, मजदूरों की बुरी हालत, अमीर-गरीब के बीच में बढ़ती खाई और जातिगत जनगणना से जुड़े मुद्दों पर जन जागरण किया जाएगा। यात्रा के दौरान राहुल गांधी समाज के विभिन्न वर्गों एवं संगठनों से बात करेंगे। उनकी समस्याओं के समाधान पर विचार-विमर्श करेंगे। खरगे ने न्याय यात्रा के जागरण में 'मणिपुर' से लेकर संसद में 146 सांसदों का निलंबन सभी शामिल किया है। भाजपा को घेरने के लिए खरगे ने इस तरह से न्याय यात्रा का खाका खींचा है कि उसमें देश का कोई वर्ग, समूह या मुद्दा अछूता न रहे। जनता से जुड़े मुद्दों पर बात होगी शनिवार को

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने कहा, देशवासियों को न्याय दिलाने के लिए 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' निकाली जा रही है। इस न्याय यात्रा के माध्यम से जनता से जुड़े मुद्दों पर बात होगी। 'न्याय का हक मिलने तक' नारे के साथ उन्होंने 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' का लोगो लॉन्च किया। इस दौरान उनके साथ कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल और संचार विभाग के प्रभारी महासचिव जयराम रमेश भी मौजूद रहे। नई दिल्ली स्थित शेष पृष्ठ 7 पर

यह दैनिक मालक-मुद्रक-प्रकाशक, संपादक मोहम्मद शकील अब्दुल रफीक ने सिटी इन्टरप्राजेस धरती कॉम्पलेक्स शॉप नं. 11, एवरशाईन नगर, मिरा रोड (पूर्व), जिल्हा - ठाणे से प्रकाशित किया, मुख्य कार्यालय - धरती कॉम्पलेक्स शॉप नं. 11, एवरशाईन नगर, मिरा रोड (पूर्व), जिल्हा - ठाणे महाराष्ट्र।मुंबई कार्यालय - शॉप नं. 14 उपाध्याय इंडस्ट्रियल इस्टेट, दहिसर चेक नाका, मुंबई इस समाचार पत्र में प्रकाशित सभी समाचारों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है किसी भी विवाद का निपटारा मा. ठाणे न्यायालय के अधीन होगा संपादक मो. शकील अ. रफीक : मो. 9869128483
Email : shakeelsahara@gmail.com / citynewsmumbai@gmail.com website : www.citynewsmumbai.in RNI No. : MAHHIN/2012/47486